Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
# घटती घटना
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020 से 2022
अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक - 262 मंगलवार, 26 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

**ज्ञान की बातें**

विपत्ति से बढ़कर तजुर्बा सिखाने वाला विद्यालय आज तक नहीं खुला।

-प्रेमचंद-

## द्रौपदी मुर्मू ने ली देश के 15 राष्ट्रपति के रूप में शपथ,चीफ जस्टिस एनवी रमना ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली, 25 जुलाई 2022। देश की पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति पद की शपथ ले ली है। उन्हें संसद के सेंट्रल हॉल में चीफ जस्टिस एनवी रमना ने राष्ट्रपति पद की शपथ दिलवाई। नवर्निवाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुबह शपथ ग्रहण से पहले राजघाट में जाकर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं शपथ ग्रहण के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 21 तोपों की सलामी दी गई।

### मैं पहली ऐसी राष्ट्रपति जिसने आज़ाद भारत में जन्म लिया-मुर्मू

शपथ ग्रहण के बाद द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि मेरे लिए महिलाओं के हित सर्वोपरि होंगे। लोकतंत्र की शक्ति ने मुझे यहां तक पहुंचाया। देश के गरीब आदिवासी, दलित और पिछड़े मुझमें अपना प्रतिबिंब देख सकते हैं। मेरे इस निर्वाचन में पुरानी लीग से हटकर आज के दौर में आगे बढ़ने वाले युवाओं का भी योगदान शामिल हैं। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मैं देश की ऐसी पहली राष्ट्रपति भी हूँ जिसका जन्म आज़ाद भारत में हुआ है।

बता दें द्रौपदी मुर्मू पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल के बाद देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। संसद के सेंट्रल में समारोह के समापन के बाद द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन के लिए रवाना होंगी, जहां उन्हें एक इंटर-सर्विस गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा और निवर्तमान राष्ट्रपति का शिष्टाचार सम्मान किया जाएगा।

### आदिवासी राष्ट्रपति बनीं मुर्मू, शपथ लेते ही बनाए ये 6 रिकॉर्ड

**पहली आदिवासी राष्ट्रपति:** मुर्मू देश की पहली आदिवासी हैं जो राष्ट्रपति के पद तक पहुंची। आज तक कोई भी राष्ट्रपति आदिवासी समाज से नहीं बना है। यही नहीं, द्रौपदी महिला हैं। इसलिए पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति होने का रिकॉर्ड भी मुर्मू के नाम दर्ज हो गया।

**आज़ादी के बाद जन्म लेने वाली पहली राष्ट्रपति:** आज तक बने सभी राष्ट्रपतियों का जन्म आजादी से पहले यानी 1947 से पहले हुआ था। द्रौपदी मुर्मू पहली राष्ट्रपति हैं, जिनका जन्म आजादी के बाद हुआ है। मुर्मू का जन्म 20 जून 1958 को हुआ है। मौजूदा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का जन्म आजादी से दो साल पहले हुआ था। उनकी जन्म तिथि एक अक्टूबर 1945 है।

**सबसे युवा राष्ट्रपति:** 64 साल की द्रौपदी मुर्मू देश की सबसे युवा राष्ट्रपति बन गई हैं। मुर्मू से पहले ये रिकॉर्ड नीलम संजीव रेड्डी के नाम पर था। रेड्डी जब राष्ट्रपति बने तब उनकी उम्र 64 साल दो महीने थी। वहीं, मुर्मू जब शपथ लेंगी तब उनकी उम्र 64 साल एक महीने है।

**दूसरी महिला राष्ट्रपति:** द्रौपदी मुर्मू के नाम दूसरी महिला राष्ट्रपति होने का रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया। मुर्मू से पहले 2007 से 2012 तक प्रतिभा देवी सिंह पाटिल राष्ट्रपति रह चुकी हैं। प्रतिभा पाटिल देश की पहली महिला राष्ट्रपति थीं।

**ओडिशा से पहली राष्ट्रपति:** आज तक कोई भी राष्ट्रपति ओडिशा से नहीं बना था। द्रौपदी मुर्मू पहली राष्ट्रपति होंगी जो ओडिशा की रहने वाली हैं। इससे पहले वीवी गिरी ऐसे राष्ट्रपति थे जिनका ओडिशा से संबध था। गिरी का जन्म मद्रास प्रेसिडेंसी के बहरामपुर में हुआ था, जो अब ओडिशा में है। हालांकि, गिरी तेलुगु परिवार से संबंध रखते थे। उनकी कर्मभूमि आंध्र प्रदेश रही। यहीं से वो सांसद बनते रहे।

**भाजपा की पृष्ठभूमि से आने वाली दूसरी राष्ट्रपति:** मुर्मू दूसरी ऐसी राष्ट्रपति होंगी जो भारतीय जनता पार्टी की पृष्ठभूमि से आती हैं। मौजूदा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भाजपा की पृष्ठभूमि से आने वाले पहले राष्ट्रपति थे, जिनकी पूरी राजनीति भाजपा से जुड़ी रही।

## संक्षिप्त समाचार

### नोबेल विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन का बंग विभूषण सम्मान लेने से इनकार

नई दिल्ली/कोलकाता, 25 जुलाई 2022। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने 'बंग विभूषण' सम्मान को लेने से इनकार कर दिया है। यह विशेष सम्मान पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से दिया जाता है। बताया जा रहा है कि सेन ने राज्य सरकार के अधिकारियों को जुलाई के पहले हफ्ते में ही सूचना पहुंचा दी थी कि पुरस्कार वितरण समारोह के समय वह भारत में नहीं होंगे।बंगाल सरकार की ओर से ये पुरस्कार सोमवार को कोलकाता में दिए जाने वाले हैं। सेन के परिवार की एक सदस्य ने बताया कि वह इस समय यूरोप में हैं। सेन की बेटी अंतरा देव सेन ने कहा कि उन्हें कई पुरस्कार मिल चुके हैं और वह चाहते हैं कि बंग विभूषण सम्मान दूसरों को दिया जाए।

### 22 साल की लड़की उड़ा रही थी ट्रेनी प्लेन, खेत में हुआ क्रैश

पुणे, 25 जुलाई 2022। महाराष्ट्र के पुणे में आज एक विमान हादसे का शिकार हो गया। विमान की खेत में क्रैश लैंडिंग होने से प्लेन बुरी तरह छतिग्रस्त हो कर दो टुकड़ों में बंट गया। हालाकिं इस घटना में महिला पायलट को ज्यादा चोट नहीं आई है। बताया जा रहा है कि ये विमान सिंगल सीटर था। विमान में तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विमान हादसा इंदापुर तहसील के कदबनवाड़ी में हुआ है। पुलिस ने बताया कि ट्रेनी विमान एक निजी विमानन स्कूल का है। विमान ने पुणे के बारामती हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी।

**घायल पायलट अस्पताल में भर्ती**

प्लेन चला रही 22 वर्षीय महिला पायलट जिसका नाम भावना राठौड़ है, को थोड़ी बहुत चोट लगी है। महिला पायलट को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार Cessna 152 एयरक्राफ्ट VT-ALI ने सोमवार सुबह उड़ान भरी थी। संदिग्ध तौर पर पावर लॉस के कारण ये हादसा हुआ है। फिलहाल इस हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

## भारत में मंकीपॉक्स का बढ़ा खतरा!

### दिल्ली और केरल के बाद अब इस राज्य में मिला संदिग्ध केस



हैदराबाद, 25 जुलाई 2022। भारत में मंकीपॉक्स खतरा अब बढने लगा है. देश में अब तक चार मामले सामने आए हैं. जिसमें से तीन केरल और एक दिल्ली में मिला है. इस बीच तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में विदेश से लौटे एक शख्स में मंकीपॉक्स के लक्षण दिखे हैं. जिसके बाद उसे अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है. वहीं, उसके संपर्क में आए लोगों को भी आइसोलेट कर दिया गया है. यह जानकारी रविवार को तेलंगाना के स्वास्थ्य विभाग ने दी है.

राज्य के जन स्वास्थ्य निदेशक जी श्रीनिवास राव ने कहा, ÷कामारेड्डी के एक 40 वर्षीय व्यक्ति में मंकीपॉक्स के लक्षण पाए गए हैं. व्यक्ति का कुवैत यात्रा का इतिहास है. मरीज को हैदराबाद के फीवर अस्पताल में शिफ्ट किया गया है. उसके नमूने पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु संस्थान (एनआईवी) भेजे गए हैं और उसे आइसोलेट कर दिया गया है.÷

राव ने कहा, ÷हमने 6 लोगों की पहचान की है जिनका इस व्यक्ति से सीधा संपर्क था. उनमें से किसी में भी कोई लक्षण नहीं थे। हमने उन्हें आइसोलेट कर दिया.÷

राव ने बताया कि, यह शख्स छह जुलाई को कुवैत से लौटा था और 20 जुलाई को उसे बुखार आया.शख्स के शरीर पर 23 जुलाई को चकत्ते पड़ने लगे जिसके बाद उसे कामारेड्डी जिले के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने मंकीपॉक्स के लक्षण दिखने पर उसे कामारेड्डी जिले के सरकारी अस्पताल में रेफर कर दिया और वहां से मरीज को यहां ज्वर अस्पताल में लाया गया है.

**63 देशों में मंकीपॉक्स की दस्तक**

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक मंकीपॉक्स के केस अब तक 63 देशों में पाए जा चुके हैं और अब तक 9 हजार से ज्यादा लोग संक्रिमित हो चुके हैं. मई के बाद यह वायरस बहुत तेजी से फैला है. विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि यह बीमारी ऑर्थोपॉक्स वायरस जीनस से संबंधित है, मंकीपॉक्स के लक्षण चेचक से मिलते जुलते हैं, इसमें सिरदर्द, बुखार, थकावट, शरीर में दर्द, ठंड लगाना, शरीर पर छाले निकलना आदि शामिल है।

## संसद के मानसून सत्र में हंगामा कर रहे कांग्रेस के चार सांसद निलंबित,सदन की कार्यवाही कल तक स्थगित

नई दिल्ली, 25 जुलाई 2022। लोकसभा में कांग्रेस के चार सांसदों को शेष सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है. लोकसभा में प्रस्ताव पारित होने के बाद कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर, टीएन प्रतापन, जोथिमणि और राम्या हरिदास को शेष सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है. वहीं लोकसभा की कार्यवाही कल 26 जुलाई को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई.

लोकसभा में चेयर पर बैठे राजेन्द्र अग्रवाल ने लोकसभा में हंगामा कर रहे सदस्यों पर कार्यवाही की. उन्होंने नियम 374 के तहत, हठपूर्वक और जानबूझकर लगातार सभा के कार्य में बाधा डालकर, अध्यक्षपीठ के प्राधिकार की उपेक्षा करने और सभा के नियमों का दुरुपयोग करने के लिए कुछ विपक्षी सांसदों के नाम लिए. इनमें कांग्रेस मणिक्कम टेगोर, टीएन प्रतापन, ज्योतिमणी, रम्या हरिदास के नाम शामिल थे. उन्होंने इन सदस्यों के निलंबन का प्रस्ताव दिया. सर्व सहमति के बाद चारों सदस्यों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया.

## टीएमसी नेता पार्थ चटर्जी को लेकर AIIMS पहुंची ईडी,लोग 'चोर-चोर' चिल्लाने लगे

कोलकाता, 25 जुलाई 2022। एसएससी घोटाले मामले में गिरफ्तार टीएमसी नेता पार्थ चटर्जी को जब एयर एंबुलेंस से ॅद्धद्बरूह्य पहुंचाया गया तो अस्पताल के बाहर लोग 'चोर-चोर' चिल्लाने लगे।



बता दें कि शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर ईडी ने पार्थ चटर्जी और उनकी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को गिरफ्तार किया था।

दो दिन की ईडी हिरासत में भेजे जाने के बाद टीएमसी नेता ने तबीयत खराब होने की शिकायत की थी। इसके बाद उन्हें कल शाम एसएसकेएम अस्पातल में भर्ती कराया गया था।

### पालतू कुत्तों के लिए भी बना रखे थे अलग फ्लैट

इस बीच ईडी ने पार्थ चटर्जी की गिरफ्तार के बाद से उनकी आय से अधिक संपत्ति के कई मामले उजागर कर चुकी है। डायमंड सिटी में भी उनके तीन फ्लैट थे। यहां एक फुली फर्निश्ड और एयर कन्डिशंड फ्लैट उनके पालतू कुत्तों के लिए था। कहा जाता है कि उन्हें कुत्ते बहुत पसंद हैं।

### मंत्री की गिरफ्तारी पर ममता बनर्जी ने तोड़ी चुप्पी

कोलकाता ,25 जुलाई 2022। पश्चिम बंगाल में टीचर भर्ती घोटाले में राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी के बाद से राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरम है। इस मामले में हर किसी की प्रतिक्रिया समाने आ रही है। दो दिन से मोन धारण किये राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अब चुप्पी तोड़ दी है। बड़ा बयान देते हुए उन्होंने कहा कि मैं भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं करती हूं। उन्होंने आगे कहा कि सभी लोग एक जैसे नहीं होते हैं। मैं चाहती हूं कि सच्चाई एक समय सीमा में सामने आए।

## इस बार विद्रोह का मकसद शिवसेना को खत्म करना है:ठाकरे

मुंबई,25 जुलाई 2022। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा है कि पार्टी में पिछले विद्रोहों के विपरीत, इस बार बगावत का उद्देश्य शिवसेना को खत्म करना है। ठाकरे ने दक्षिण मुंबई में एक वार्ड स्तरीय पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दावा किया कि शिवसेना हिंदुत्व के लिए राजनीति में है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने राजनीतिक हितों के लिए हिंदुत्व का इस्तेमाल करती है। ठाकरे ने कहा, %पहले के विद्रोहों के विपरीत, यह बगावत शिवसेना को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए है। उन्होंने हमारा मुकाबला करने के लिए पेशेवर एजेंसियों को लगा रखा है। यह धन और निष्ठा के बीच की लड़ाई है। ठाकरे 27 जुलाई को 62 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें अपने जन्मदिन पर गुलदस्ता नहीं चाहिए, लेकिन शिवसेना कार्यकर्ताओं से हलफनामा चाहिए कि वे पार्टी पर भरोसा करते हैं और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी के सदस्य के रूप में जोड़ेंगे। ठाकरे ने कहा, %लड़ाई अब भारत निर्वाचन आयोग के पास भी पहुंची है, जिसमें दोनों गुट मूल शिवसेना होने का दावा कर रहे हैं। हमें न केवल जोश की जरूरत है, बल्कि पार्टी के सदस्यों के रूप में लोगों के ठोस समर्थन और पंजीकरण की भी जरूरत है। पूर्व मुख्यमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे पर निशाना साधा, जिन्होंने कथित तौर पर कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो वह शिवसेना के 40 बागी विधायकों को अपनी पार्टी में विलय करने की अनुमति देने पर विचार करेंगे। उद्धव ठाकरे ने कहा, मुझे पता है कि इन लोगों के लिए एक प्रस्ताव दिया गया है। मुझे नहीं पता कि यह किस प्रकार का %केमिकल लोचा (असंतुलन) है, लेकिन इन लोगों को पता नहीं है कि उन्होंने किसके साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने बागी विधायकों का जिक्र करते हुए कहा, मुझे नहीं पता कि आपको क्या कहकर बुलाऊं। इस पर वहां मौजूद भीड़ ने नारा लगाया, गद्दार । शिवसेना प्रमुख ने तब कहा, %यह उनके सिर पर ठप्पा है और वे जहां भी जाएंगे उन्हें इसे अपने साथ ले जाना होगा। उन्होंने इसे अपने कर्मों से अर्जित किया है। लोगों के प्रतिनिधि होने के बावजूद, वे केंद्र सरकार की सुरक्षा के साथ घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि %शिवसेना ने आम लोगों को खास बना दिया और इस इसी कारण इन 40 (बागी) विधायकों ने चुनाव जीता। उन्होंने कहा कि अब इसे शिवसेना कार्यकर्ताओं के नए समूह के साथ दोहराने का समय है।

दक्षिण मुंबई में वार्ड स्तरीय पार्टी कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर बोले पूर्व सीएम

## उज्जैन के महाकाल मंदिर में मची भगदड़,युवक बेहोश,कई घायल

उज्जैन, 25 जुलाई 2022। सावन मास के दूसरे सोमवार को आरती और दर्षन के दौरान भक्तों की लंबी लाइन लगने से भगदड़ जैसे हालात बन गए है जिसमें एक युवक बेहोष हो गया वहीं कई अन्य लोग घायल हुए हैं।

बता दें कि बाबा महाकाल के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु उज्जैन पहुंच रहे है। सोमवार को दर्शन के लिए हजारों लोग लाइन में लगे थे। लाइन चारधाम मंदिर के आगे तक पहुंच गई थी। सुबह एकाएक भगदड़ की स्थिति बन गई। जिससे कुछ लोग भीड़ के कारण दब गए। मौके पर पहुंची क्यूआरएफ की टीम तथा पुलिसकर्मियों ने स्थिति संभाली और लोगों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया।

बता दें कि श्रावण मास के दूसरे सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु ज्योतिर्लिंग महाकाल में भगवान भस्मरमैया के दर्शन करने पहुंचे। देशभर से आए 2500 श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी गई। गर्भगृह के सामने नंदी हॉल, गणेश मंडपम, कार्तिकेय मंडपम के दर्शनार्थियों ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शन किए।

## मां-पापा सॉरी,हम एक दूसरे के बगैर नहीं रह सकते:ससुराल से लौटी नवविवाहित प्रेमिका ने प्रेमी के साथ लगाई फांसी,सुसाइड नोट भी लिखा

श्योपुर, 25 जुलाई 2022। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में प्रेमी-प्रेमिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. नवविवाहित प्रेमिका शादीशुदा है. ससुराल से मायके आई थी. तभी रविवार-सोमवार की दरमियानी रात अपने प्रेमी युवक के साथ रस्सी का फंदा बनाकर फांसी पर झूल गई. सुबह दोनों के शव नीम के पेड़ पर मिले. मौके पर एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है. जिसमें लिखा है कि मां-पापा, भाई बहन और सभी को ह्यश्वह्म्4. हम दोनों एक दूसरे के बगैर नहीं रह सकते. इसलिए हम ये कदम उठा रहे हैं. पुलिस किसी को परेशान न करे.

जानकारी के मुताबिक घटना विजयपुर थाना क्षेत्र के मोहनपुरा गांव के पास की है. बताया जा रहा है कि मोहनपुरा गांव निवासी युवक आशु कुशवाह और पड़ोस में रहने वाली युवती सरस्वती कुशवाह का लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था. लेकिन उनके घर वालों को इसकी जानकारी नहीं थी. पिछले 3 महीने पहले सरस्वती के घर वालों ने उसका विवाह राजस्थान निवासी युवक से कर दिया था. सरस्वती अपने प्रेमी के प्रेम को भुला न सकी.

पिछले दिनों जब वह ससुराल से अपने मायके मोहनपुरा गांव लौटी, तो प्रेमी और प्रेमिका ने मिलकर मन में यह ठान लिया कि वह साथ जी नहीं सकें, तो साथ मर जाएंगे. इसके लिए उन्होंने रविवार की रात साथ मरने का फैसला लिया. मरने से पहले उन्होंने सुसाइड नोट भी लिखा. इसके बाद गांव के बाहर खेत पर पहुंचकर नीम के पेड़ की डाली पर दोनों के लिए रस्सी से बने फंदे तैयार किए, फिर दोनों एक साथ फंदे पर झूल गए. सुबह होने पर जब ग्रामीणों ने दोनों के शवों को पेड़ पर बने फंदे से लटके हुए देखा, तो पूरे गांव में सनसनी फैल गई.

ग्रामीणों ने मामले की जानकारी विजयपुर थाना पुलिस को दी. सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया. उसके बाद दोनों के शवों को फंदे से नीचे उतार कर तलाशी ली, तो एक सुसाइड नोट भी पुलिस को मिला है. सुसाइड नोट में लिखा है कि मां-पापा, भाई बहन और सभी को ह्यश्वह्म्4. हम दोनों एक दूसरे के बगैर नहीं रह सकते. इसलिए हम ये कदम उठा रहे हैं. पुलिस किसी को परेशान न करे.

विजयपुर थाना प्रभारी सोनपाल सिंह तोमर का कहना है कि मोहनपुरा गांव के पास खेत की यह घटना है. वहां पड़ोस में रहने वाले युवक और उसी गांव की नवविवाहिता के शव नीम के पेड़ पर बने फंदे से लटके मिले हैं. एक सुसाइड नोट भी मौके पर मिला है. मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

## संपादकीय

### अग्निवीरों के लिए सबक

सेना में बहाली की नई योजना अग्निपथ के तहत चार साल के लिए बहाल होने वाले अग्निवीरों के लिए बड़ा सबक है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि पिछले सात साल से रिटायर सैनिकों की सरकारी नौकरी में बहाली में कमी आ रही है और सात साल पहले के मुकाबले अब उनकी बहाली एक-चौथाई रह गई है। ध्यान रहे जब अग्निपथ योजना का विरोध हुआ तो केंद्र सरकार के कई मंत्रालयों ने और कई राज्यों ने कहा कि वे चार साल बाद रिटायर होने वाले अग्निवीरों को अपने यहां नौकरी देंगे। इसका बहुत प्रचार भी किया गया लेकिन अब तक ही हकीकत कुछ और है। सरकार ने खुद यह हकीकत बताई है कि 2015 से लेकर 2021 तक रिटायर सैनिकों को नौकरी देने में लगातार गिरावट हुई है।

केंद्र में 2014 में जिस साल भाजपा की सरकार बनी थी उसके अगले साल यानी 2015 में 10,982 रिटायर सैनिकों को सरकारी नौकरी मिली थी और पिछले साल यानी 2021 में 2,983 रिटायर सैनिकों को नौकरी मिली। यानी 2015 के मुकाबले करीब एक चौथाई लोगों को नौकरी मिली। यह आंकड़ा खुद केंद्र सरकार ने संसद में दिया है। 2015 के बाद से लगातार इसमें कमी आई। 2016 में 9,086 रिटायर सैनिकों को नौकरी मिली। उसके अगले साल 2017 में 5,638 और 2018 में 4,175 लोगों को नौकरी मिली। कोरोना की महामारी शुरू होने से ठीक पहले 2019 में 2,968 रिटायर सैनिकों को सरकारी नौकरी मिली। कोरोना के पहले साल यानी 2020 में 2,584 और 2021 में 2,983 रिटायर सैनिकों को नौकरी मिली। वैसे भी पिछले कुछ सालों से सरकारी नौकरियां लगातार कम होती जा रही हैं। सो, चार साल की नौकरी के बाद रिटायर होने वाले अग्निवीरों के लिए वादा चाहे जो किया गया हो पर तस्वीर बहुत अच्छी नहीं दिख रही है।

# केजरीवाल को क्यों रोका हुआ है?

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को विदेश जाने से केंद्र सरकार ने रोक रखा है। पिछले सवा महिने से उनकी अर्जी उप-राज्यपाल के दफ्तर में अटकी पड़ी है। पहले उन्हें उप-राज्यपाल की अनुमति लेनी पड़ेगी और फिर विदेश मंत्रालय की! किसी भी मुख्यमंत्री को यह अर्जी क्यों लगानी पड़ती है? क्या वह कोई अपराध करके देश से पलायन की फिराक में है? क्या वह विदेश में जाकर भारत की कोई बदनामी करने वाला है? क्या वह देश के दुश्मनों के साथ विदेश में कोई साजिश रचने वाला है? क्या वह अपने काले धन को छिपाने की वहां कोई कोशिश करेगा?

आज तक किसी मुख्यमंत्री पर इस तरह का कोई आरोप नहीं लगा। स्वयं नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए कई देशों में जाते रहे। कांग्रेस की केंद्रीय सरकार ने उनकी विदेश-यात्राओं में कभी कोई टांग नहीं अड़ाई। तो अब उनकी सरकार ने केजरीवाल की सिंगापुर-यात्रा पर चुप्पी क्यों साध रखी है? उन्हें अगस्त के पहले हफ्ते में सिंगापुर जाना है। क्यों जाना है? इसलिए नहीं कि उन्हें अपने परिवार को मौज करानी है। वे जा रहे हैं, दुनिया में दिल्ली का नाम चमकाने के लिए। वे 'विश्व शहर सम्मेलन' में भारत की राजधानी दिल्ली का प्रतिनिधित्व करेंगे। दिल्ली का नाम होगा तो क्या भारत का यश नहीं बढ़ेगा? 2019 में भी हमारे विदेश मंत्रालय ने केजरीवाल को कोपेनहेगन के विश्व महापौर सम्मेलन में नहीं जाने दिया था। जबकि इसी सम्मेलन में पहले शीला दीक्षित ने शानदार ढंग से भाग लिया था। शीलाजी ने दुनिया भर के प्रमुख महापौरों को बताया था कि उन्होंने दिल्ली को कैसे नए रूप में संवार दिया है। उसी काम को अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने चार चांद लगा दिए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति की पत्नी और संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव इन कामों को देखकर प्रमुदित हो गए थे। दिल्ली के अस्पतालों, स्कूलों, सड़कों, मोहल्ला क्लीनिकों, सस्ती बिजली-पानी वगैरह ने केजरीवाल की आप सरकार को इतनी प्रतिष्ठा दिला दी है कि पिछले चुनावों में कांग्रेस और भाजपा का सूंपड़ा साफ हो गया है। केंद्र सरकार इस तथ्य को क्यों नहीं समझ पा रही है कि वह उप-राज्यपाल के जरिए दिल्ली सरकार को जितना तंग करेगी, वह दिल्ली की जनता के बीच उतनी ही अलोकप्रिय होती चली जाएगी।

केंद्र सरकार की यह सावधानी उचित है कि देश का कोई भी पदाधिकारी विदेश जाकर कोई आपत्तिजनक काम या बात न करे। इसके लिए यह आवश्यक किया जा सकता है कि विदेश मंत्रालय उन्हें मार्ग-निर्देश कर दे। वैसे तो सारे नेता अपनी इस जिम्मेदारी को प्रायः भली-भांति समझते हैं और अपनी विदेश-यात्राओं के दौरान संयम बरतते हैं। मैंने अपनी विदेश-यात्राओं के दौरान दिए गए भाषणों में कभी किसी सरकार या विरोधी की कभी निंदा नहीं की, जबकि भारत में रहते हुए मैंने किसी को भी कभी नहीं बख्शा।

मोदी सरकार यह मानकर क्यों चले कि उसका कोई विरोधी नेता विदेश जाएगा तो उसकी बदनामी ही करेगा? यदि वह वैसा करता भी है तो भी सरकार के पास उसकी बधिया बिठाने के कई उपाय हैं। इसके अलावा यह बात मैं निजी अनुभव से जानता हूं कि विदेशों में हर किसी बड़े नेता के पीछे हमारे गुप्तचर डटाए जाते हैं? मुझे विश्वास है कि केंद्र सरकार और उप-राज्यपाल अरविंद केजरीवाल को सिंगापुर-यात्रा की अनुमति शीघ्रातिशीघ्र देंगे।

**-वेद प्रताप वैदिक-**

# भक्तों पर शीघ्र प्रसन्न होते हैं भगवान शिव



**योगेश कुमार गोयल**
नजफगढ़,नई दिल्ली-

देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। यही नहीं, भगवान शिव और देवी पार्वती को समर्पित वर्षभर में दर्जनभर बार मनाया जाने वाला शिवरात्रि पर्व हिन्दू समुदाय का ऐसा मासिक पर्व है, जो पूर्णिमा से पहले चतुर्दशी को मनाया जाता है। शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा की स्रोत भी है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं।÷

पूरे साल मनाई जाने वाली शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। हरिद्वार, गौमुख, गंगोत्री, काशी विश्वनाथ, बैद्यनाथ, नीलकंठ, देवघर इत्यादि विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। हालांकि पिछले वर्ष कोरोना महामारी के कारण कांवे यात्रा स्थगित करनी पेी थी लेकिन इस बार कांर्वा यों में एक अलग ही उत्साह देखा गया।

भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है, जो इस वर्ष 26 जुलाई को मनाई जा रही है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे।

धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।



## मनाबो हरेली तिहार गा



**जीवन चन्द्राकर लाल**
बालोद छत्तीसगढ़

हरियर होगे, भाठा टिकरा,
हरियर हरियर खेत खार गा।
सावन के पुन्नी आगे,
मनाबो हरेली तिहार गा।
अड़बड़ मया बरसाए हे,
असो बादर करिया हा,
अभी ले छलकत हे,
बांध,डबरी, तरिया हा।
मछरी,मेचका, पंछी मन,
असो के बरसा मा हितागे,
खेती किसानी के घलो,
काम हर ओधियागे।
निस दिन के पानी मा,
खेत के पौधा मुचमुचावथे,
हरियर खेत खार देख,
किसान के मन गदगदावथे।
खुशी खुशी गोधन ला,
खवाहि गेहूं पिसान के लोंदी।
अपन बर बनावत हे,
संडा बांस के गेड़ी।
फेर चिखला के मजा लेबो,
गेड़ी मा होके सवार गा।
सावन के पुन्नी आगे,
मनाबो हरेली तिहार गा।

कारगिल विजय दिवस पर विशेष

# सेना में बहादुरी कि मिसाल कायम करते झुंझुनू के जवान



**रमेश सर्राफ धमोरा**
झुंझुनू,राजस्थान

देश रक्षा के लिये सेना में शहादत देना राजस्थान की परम्परा रही है। यहां के गांवों में लोकदेवताओं की तरह पूजे जाने वाले शहीदों के स्मारक इस परम्परा के प्रतीक हैं। इस जिले के वीरों ने बहादुरी का जो इतिहास रचा है उसी का परिणाम है कि भारतीय सैन्य बल में उच्च पदों पर सम्पूर्ण राजस्थान की ओर से झुंझुनू जिले का ही वर्चस्व रहा है। झुंझुनू जिले में प्रारम्भ से ही सेना में भर्ती होने की परम्परा रही हैं तथा यहां के गांवों में घर-घर में सैनिक होता था। सेना के प्रति यहां के लगाव के कारण अंग्रेजो ने यहां एक सैनिक छावनी की स्थापना कर 'शेखावाटी ब्रिगेड 'का गठन किया था। जिले के वीर जवानो को उनके शौर्यपूर्ण कारनामों के लिये समय-समय पर भारत सरकार द्वारा विभिन्न अलंकरणों से नवाजा जाता रहा हैं। अब तक इस जिले के कुल 120 से अधिक सैनिकों को वीरता पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। जो पूरे देश में किसी एक जिले के सर्वाधिक हैं।

राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के झुंझुनू जिले के अमर सपूतों की इस वीर भूमि के रणबांकुरों ने जहां स्वतंत्रता पूर्व के आन्दोलनो में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था वहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सेना द्वारा लड़ी गयी लड़ाइयों में भी इस धरती की माटी में जन्मे वीरों ने समय-समय पर अपना पराक्रम दिखाया हैं। वीरों की इस धरती ने सदियों से जन्म लेते रहे सपूतों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रवाहित किया हैं। वास्तव में यहां की धरती को यह वरदान सा प्राप्त होना प्रतित होता हैं कि इस पर राष्ट्रभक्ति के कीर्तिमान स्थापित करने वाले लाडेसर ही जन्म लेते हैं। चाहे 1948 का पाकिस्तानी कबायली हमला हो या 1962 में चीन से युद्ध हो या 1965 व 1971 का भारत-पाक युद्ध। यहां के वीरों ने मातृभमि की रक्षा हेतू सदैव अपना जीवन बलिदान किया हैं। सेना के तीनो अंगो की आन की रक्षा के लिये यहां के नौजवान सैनिकों के उत्सर्ग को राष्ट्र कभी भुला नही सकता हैं।

इस क्षेत्र के सैनिकों ने भारतीय सेना में रहकर विभिन्न युद्धो में बहादुरी एवं शौर्य की बदौलत जो वीरता पदक प्राप्त कियें हैं वे किसी भी एक जिले के लिये प्रतिष्ठा एवं गौरव का विषय हो सकता हैं। सीमा युद्ध के अलावा जिले के बहादुर सैनिकों ने देश मे आंतरिक शान्ति स्थापित करने में भी सदैव विशेष भूमिका निभाई हैं। सीमा संघर्ष एवं नागा होस्टीलीटीज हो या आपरेशन ब्लूस्टार या श्रीलंका सरकार की मदद हेतु किये गये आपरेशन पवन अथवा कश्मीर में चलाया गया आतंकवादी अभियान रक्षक या कारगिल युद्ध। सभी अभियान में यहां के सैनिको ने शहादत देकर जिले का मान बढ़ाया हैं।

भारतीय सेना में योगदान के लिये झुंझुनू जिले का देश में अव्वल नम्बर हैं। वर्तमान में इस जिले के 45 हजार जवान सेना में कार्यरत हैं। वहीं जिले में करीबन 62 हजार भूतपूर्व सैनिक व अर्धसैनिक बलों के जवान हैं। आजादी के बाद भारतीय सेना की और से राष्ट्र की सीमा की रक्षा करते हुये यहां के 457 जवान शहीद हो चुके हैं। जो पूरे देश में किसी एक जिले से सर्वाधिक है। कारगिल युद्ध के दौरान पूरे देश में 527 जवान शहीद हुये थे जिनमें यहां के 22 सैनिक शहीद हुये थे जो पूरे देश में किसी एक जिले से शहादत देने वालों में सर्वाधिक जवान थे। झुंझुनू जिले से अब तक 457 से अधिक सैनिक जवान सीमा पर शहीद हो चुके हैं।

यहां के जवानो ने सेना के सर्वोच्च पदों तक पहुंच कर अपनी प्रतीभा का प्रदर्शन किया है। इस जिले के चित्तोसा गांव के एडमिरल विजय सिंह शेखावत भारतीय नो सेना के अध्यक्ष रह चुकें हैं वहीं स्व. कुन्दन सिंह शेखावत थल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल व भारत सरकार के रक्षा सचिव रह चुके हैं। जे.पी.नेहरा, सत्यपाल कटेवा सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल पद से सेवानिवृत हुये हैं। इसके अलावा यहां के काफी लोग सेना में ब्रिगेडियर, कर्नल,मेजर सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत है। देश में झुंझुनू एकमात्र ऐसा जिला हैं जहां सैनिक छावनी नहीं होने के उपरान्त भी गत पचास वर्षो से अधिक समय से सेना भर्ती कार्यालय कार्यरत है। जिससे यहां के काफी युवकों को सेना में भर्ती होने का मौका मिल पाता है।

यहां के हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत को 1948 के युद्ध में वीरता के लिये देश का सर्वोच्च सैनिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया जा चुका है। परमवीर चक्र पाने वाले पीरूसिंह शेखावत देश के दूसरे व राजस्थान के पहले सैनिक थे। यहां के सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्व में भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था। आज भी यहां द्वितीय विश्व युद्व के पूर्व सैनिकों की विधवाओं को सरकार से पेंशन मिल रही है।

जिले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्व के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है। हाल ही में झुंझुनू में सैनिक स्कूल प्रारम्भ हो चुकी है जिसका लाभ सेना में जाने वाले यहां के युवाओं को मिलेगा। 19 साल पहले हमने करगिल तो जीत लिया था, लेकिन शहीदों के परिवारों के सामने आज भी समस्याओं के कई करगिल खड़े हैं। जिन पर जीत दर्ज करनी अभी बाकी हैं। सरकार द्वारा झुंझुनू जिले को देश का सैनिक जिला घोषित कर यहां के सैनिक परिवारों को सुविधाये उपलब्ध करवाने की तरफ पर्याप्त ध्यान देवे तो आज भी झुंझुनू क्षेत्र से अनेक पीरूसिंह पैदा होकर देश के लिये प्राण न्योछावर कर सकते हैं। झुंझुनू जिले के सैनिको की बहादुरी देखकर कवि ने अपनी रचना में भी झुंझुनू के वीरो का गुणगान इस प्रकार किया है।

शुरा निपजे झुंझुनू, लिया कफन का साथ ।
रण-भूमि का लाडला, प्राण हथेली हाथ ।।

# रेवड़ी की राजनीति कैसे खत्म होगी?

भारतीय राजनीति की कुछ बीमारियां लाइलाज हैं। रेवड़ी बांटने की राजनीति उन्हीं में से एक है। यह बीमारी तभी से है, जब से चुनाव होते हैं और सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि किसी न किसी रूप में दुनिया के ज्यादातर लोकतांत्रिक देशों में है। भारत में जब इस पर बहस शुरू हुई है तो कुछ 'विद्वान' लोग बताने लगे हैं कि विचारधारात्मक राजनीति के कमजोर होने के बाद रेवड़ी बांटने की राजनीति बढ़ी है। असल में ऐसा नहीं है। जब कथित तौर पर विचाराधारात्मक राजनीति बहुत मजबूत थी और पार्टियां सिद्धांतों के आधार पर राजनीति करती व चुनाव लड़ती थीं तब भी रेवड़ी बांटने की राजनीति होती थी। फर्क यह है कि तब रेवड़ी बांटने की राजनीति को एक मजबूत सैद्धांतिक आधार दिया जाता था और आज सीधे मतदाता को रिश्वत देने के अंदाज में रेवड़ी बांटी जा रही है। लेकिन क्या ऐसा हो सकता है कि सैद्धांतिक आधार के साथ रेवड़ी बांटना ठीक हो और रिश्वत देने के अंदाज में रेवड़ी बांटना गलत हो?

सवाल है कि रेवड़ी बांटने की राजनीति क्यों शुरू हुई और क्यों अभी तक जारी है? इस सवाल के जवाब में ही यह निष्कर्ष छिपा है कि भारत में रेवड़ी की राजनीति कभी खत्म नहीं होगी। आजादी के बाद रेवड़ी बांटने की शुरुआत देश के सामाजिक और ऐतिहासिक हालातों की वजह से हुई। सदियों तक गुलाम रहे देश में बड़ी आबादी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थी। इसलिए संविधान में आरक्षण की व्यवस्था करने से लेकर मुफ्त राशन बांटने तक की शुरुआत हुई। तब भारत में अन्न का अकाल था। भारत 'शिप टू माउथ' वाला देश था। दुनिया के दूसरे देशों से जहाज पर लद कर अनाज आता था तब लोगों का पेट भरता था। ऐसे देश में अगर सरकार कमजोर व वंचित वर्गों के लिए एफरमेटिव एक्शन नहीं लेती तो अराजकता के हालात बन सकते थे। अफसोस की बात है कि समय के साथ खत्म होने की बजाय एफरमेटिव एक्शन वाली राजनीति मजबूत होती चली गई। भारत अन्न के मामले में आत्मनिर्भर हो गया और दुनिया की पांचवीं-छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया फिर भी एफरमेटिव एक्शन की जरूरत बनी रही या बनाए रखी गई।

आजादी के बाद जितने भी समय आधारित कानून बनाए गए या एफरमेटिव एक्शन लिए गए वे सब आज भी जस के तस चल रहे हैं। आजादी के 75 साल बाद भी आरक्षण की व्यवस्था न सिर्फ कायम है, बल्कि इसकी मांग और बढ़ गई है। अनाज के मामले में देश के आत्मनिर्भर हो जाने के पांच दशक बाद भी देश की 70 फीसदी के करीब आबादी सरकार की ओर से दिए जा रहे मुफ्त अनाज पर निर्भर है। प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मानने के बावजूद लगभग समूचा मीडिया माई-बाप सरकार की रेवड़ी पर निर्भर है। असल में यह माई-बाप सरकार बनाने की अनिवार्य परिणति है। देश की बुनियाद मजबूत करने और नागरिकों को सक्षम बनाने की बजाय उन्हें धीरे धीरे सरकार की रेवड़ियों पर निर्भर बनाया गया। इसलिए अगर आज कोई नेता अचानक यह कहना शुरू करे कि रेवड़ी कल्चर को खत्म करना है तो उस पर भरोसा नहीं होता है। लगता है कि वह कोई राजनीतिक दांव साध रहा है क्योंकि कोई भी पार्टी या कोई भी नेता इस कल्चर से अछूता नहीं है। सब किसी न किसी रूप में इसी कल्चर को मजबूत कर रहे हैं।

सो, यह नहीं हो सकता है कि एक नेता मुफ्त में जो चीजें बांट रहा है उसे प्रसाद या सम्मान निधि माना जाए और दूसरा जो बांट रहा है उसे रेवड़ी कहें। केंद्र सरकार पांच किलो अनाज और एक किलो दाल 80 करोड़ लोगों को दे रही है और गर्व से इसका प्रचार किया जाता है। फिर अगर किसी राज्य सरकार ने भी ऐसी ही कोई योजना घोषित कर दी तो उसकी आलोचना कैसे हो सकती है? केंद्र सरकार किसान सम्मान निधि के नाम पर 10 करोड़ से ज्यादा किसानों को छह हजार रुपए साल का यानी पांच सौ रुपया महीना दे रही है। अगर कोई राज्य सरकार किसानों को एक हजार रुपया देने लगे तो उसकी आलोचना कैसे हो सकती है? केंद्र सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत पांच करोड़ से ज्यादा परिवारों को रसोई गैस के सिलिंडर मुफ्त में बांटे।

अब अगर किसी राज्य सरकार ने मुफ्त पेट्रोल या बिजली बांटने की घोषणा कर दी तो उसकी आलोचना कैसे हो सकती है? रेवड़ी बांटना सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है कि सरकारें मतदाताओं को लुभाने के लिए राज्यों का बंटवारा कर देती हैं। प्रशासनिक खर्च की सीमा जाने बगैर नए जिले बनाती हैं, नए अनुमंडल और नए प्रखंड बनाए जाते हैं। पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने खैरागढ़ सीट का उपचुनाव जीतने के लिए उसे जिला बनाने की घोषणा की थी और जीतने के बाद नए जिले का गठन कर दिया!

याद रखें देश की सरकारें नागरिकों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में विफल रही हैं। अभी तक देश की बड़ी आबादी को पीने का साफ पानी नहीं मिल पाया है। सबको अच्छी और सस्ती शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधा नहीं उपलब्ध कराई जा सकी है। सामाजिक सुरक्षा नाम की कोई चीज इस देश में नहीं है। सामाजिक सुरक्षा के बगैर करोड़ बेरोजगार युवाओं का बुढ़ापा कैसा होगा, इसकी सिर्फ कल्पना की जा सकती है। सोचें, जब भारत की सरकारों ने ऐसी व्यवस्था नहीं बनाई है कि कामकाज करने में सक्षम हर व्यक्ति को रोजगार मिले, हर बच्चे को समान व सस्ती शिक्षा मिले, हर बीमार को इलाज मिले, हर घर को साफ पानी और बिजली मिले, चलने को अच्छी सड़कें हो तों फिर उस देश में रेवड़ियां नहीं बांटी जाएंगी तो क्या होगा?

असल में रेवड़ी बांटना सबसे आसान काम है। इसमें न तो किसी विजन की जरूरत होती है और न ज्यादा धन की जरूरत होती है। सरकारें अपने नागरिकों का ही खून चूस कर जो राजस्व इकट्ठा करती हैं उसी का एक छोटा हिस्सा लोगों में बांटना होता है। इसके उलट लोगों को समक्ष और देश को मजबूत बनाने के लिए विजन की जरूरत होती है, जो इक्का-दुक्का अपवादों को छोड़ दें तो आज तक किसी नेता में नहीं दिखी है। किसी नेता ने लोगों को सक्षम बनाने का गंभीर प्रयास नहीं किया ताकि उन्हें सरकार की रेवड़ियों पर निर्भर नहीं रहना पड़े। जनता को जान बूझकर मजबूर बनाए रखा गया ताकि वे वोट बैंक की तरह काम आ सकें। आज भी सभी पार्टियां यहीं काम कर रही हैं। सब अपने अपने लाभार्थी और नमकहलाल वोटर तैयार कर रहे हैं ताकि चुनाव जीता जा सके।

**-अजीत द्विवेदी-**

## मौसम-ए-इश्क



**पुष्पा स्वाती**
मुम्बई

मौसम-ए-इश्क का यूं ,
छाने लगा नशा।
बेखुद है दीवाना मन
जाने कहां चला।
दिल से सुनो दिल का बयां,
रहें लफ़्ज़ बेज़ुबां,
महकी हैं फ़िज़ाएं भी,
बहकी सी है सबा।
दिलकश लगें तनहाईयां,
ख़ामोशियां हसीं
लबों को आज सुनने दो,
लबों की दास्तां।
जब से छुआ नज़र से,
नज़र दुज़िदा हुई,
पलकों का उठना गिरना,
क्या खूब है अदा।
कितने ख़याल ख़्वाहिशें,
ख्वाबों की हसरतें,
कागज़ पे सज गये यूं ,
जैसे प्यार की सदा।

## धुआं धुआं



**प्रियंका अग्निहोत्री गीत**
वाराणसी उत्तरप्रदेश

इक दिल था मीर-ए-कारवां
जो बन पड़ा था रहनुमा
तीरगी जो फैली थी राह में
तारों ने कर डाली फना
सही फैसला क्या देगा वो
जो रक़ीब मुंसिफ़ बन गया
पलकें न मूंदी पल को भी
एक ख़्वाब सा था रवां रवां
कुछ मुश्किलें आसां हुई
थी ज़ुरूर साथ कोई दुआ
हर राह धुंध से थी भरी
था हर तरफ बस धुआं धुआं

## कटघरा



**ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर**
भोपाल मध्यप्रदेश

सभ्य समाज, कटघरे मे खड़ा है।
आज रोटी का सवाल सबसे बड़ा है।
कहीं धूप, कहीं बे मौसम बरसात,
मौसम का मिजाज, जरा बिगड़ा है।
लाज लुटे,बम फटे, अजी उन्हें क्या ?
खुदगर्ज है इन्सां, चिकना घड़ा है।
शहादतें हैं झूठी, इंसाफ कौन करे,
कानून की आंखों में परदा पड़ा है।
उफ न करेंगे, हम आहें न भरेंगे,
दिल पे अपने, तीर ही ऐसा गड़ा है।
उसे मिटाने का, हमे मिटने का शौक,
हम कम नहीं, वो भी जिद पे अड़ा है।

# पृथ्वी और हम कण जितने!

शायद कण जितने भी नहीं! पृथ्वी और उसके आठ अरब लोगों की ब्रह्मांड में औकात क्या है? इस बात को रंग-बिरंगे अंदाज में पिछले सप्ताह जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से जैसे मालूम हुआ वह मानों अद्भुत देवलोक के अकल्पनीय दर्शन। रोंगटे खड़े करने वाला इसलिए कि उन्हें देख लगा पृथ्वी, हम आठ अरब लोग ब्रह्मांड की धूल के कण जितने भी नहीं! कैसी है यह ब्रह्मांड लीला! 10 अरब डॉलर के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने पृथ्वीवासियों को ब्रह्मांड के जो दर्शन कराए हैं वे मानव इतिहास की इस कौतुहलता का अल्टीमेट हैं कि ग्रह-नक्षत्र क्या हैं, क्या बोलते हुए हैं, उनसे पृथ्वी की जैविक रचना पर किस तरह के कैसे-कैसे प्रभाव हैं? पृथ्वी पर लाखों साल से सूर्य और तारों-सितारों को लेकर मनुष्य का दिमाग जितना सोचता-खदबदाता रहा है उसके आगे ब्रह्मांड की रंग-बिरंगी तस्वीरों के बाद क्या सोचें? कोई ईश्वर नहीं, बल्कि ईश्वर से भी परे की वह माया है, जिसका ओर-छोर मायावी कल्पनाओं से भी आगे का अनंत।

क्या इस अनंत को, अनंत में उपस्थित कोई जीव रचना याकि मनुष्य भेद सकता है? विज्ञान को निश्चित पता है कि अनंत बेहिसाब है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप की तस्वीरों से प्रामाणिक तौर पर लग रहा है कि ब्रह्मांड का नक्शा नहीं बन सकता। वह कोई गोला नहीं है, कोई आकार नहीं है जिसमें दूरिया माप कर पहले तो खरबों आकाशगंगाओं का हिसाब लगे और फिर एक-एक आकाशगंगा के भीतर के तारों की संख्याओं की गिनती, उनकी आपसी दूरियों का लेखा-जोखा बने। निश्चित ही वैज्ञानिक अपने सौर मंडल की दूरियों का हिसाब लगाए हुए हैं लेकिन अनंत का हिसाब बने, यह असंभव है। इसलिए अमेरिका और उसके राष्ट्रपति जो बाइडेन की टेलीस्कोप की लाजवाब सफलता पर यह गर्वोक्ति वाजिब होते हुए भी बेमतलब है कि, 'ये तस्वीरें पूरी दुनिया को यह संदेश देने वाली हैं कि अमेरिका बड़े काम कर सकता है। और अमेरिकी लोगों मेंज खासकर हमारे बच्चों में ये विश्वास भरने वाला है कि ऐसी कोई चीज नहीं जो हमारी सीमा से बाहर हो'! नहीं, मनुष्य की सीमा में ब्रह्मांड का एटलस भी बना सकना संभव नहीं है। उलटे ब्रह्मांड की ताजा तस्वीरों से लगता है कि पृथ्वी और सौर मंडल आग का गोला कब बन जाए, गैस और धूल के टुकड़ों में कब बदले इसका कोई ठिकाना नहीं है। पृथ्वी जैसे तप और गल रही है, गरम गैसों से जलवायु परिवर्तन का जो सिलसिला बना है उसे मनुष्य रोक ले या पृथ्वी के खत्म होने से पहले दूसरे ग्रह में अपनी प्रजाति को बसा ले वहीं बहुत बड़ी बात होगी। वैसा हो सकना मनुष्य का सचमुच भगवान बनना होगा। हालांकि वह भगवान भी अनंत ब्रह्मांड के सत्य में मात्र कण!

रंग-बिरंगी तस्वीरों से प्रकट ब्रह्मांड के अनंत की कल्पना करें? मुझे तस्वीरों में नेबुला तारकीय यानी स्टेलर नर्सरीज फोटो दर्शनीय लगा। यह पृथ्वी से करीब याकि कोई 76 सौ प्रकाश वर्ष की दूरी पर गैस और धूल का एक भीमकाय बादल है। करीबी आसमान में सबसे बड़ा और चमकीला नेबुला (फोटो आखिरी पेज पर)। फोटो में पहाड़ जैसे और उसके पीछे अनंत ब्रह्मांड के सितारे कल्पनाओं को पंख लगाते हैं! ऐसे कितने नेबुला होंगे? इन्हीं की गैसों के बादलों और धूल से नए तारों का जन्म होता है। पता नहीं इस स्टेलर नर्सरीज से आगे कितने तारे बनें? ध्यान रहे अंतरिक्ष में छोड़ी गई जेम्स वेब टेलीस्कोप से यह भी मालूम होगा कि तारे कैसे बनते हैं।

इस टेलीस्कोप के दो लक्ष्य हैं। एक ब्रह्मांड में 13.5 अरब साल से भी पहले से चमकने वाले सबसे पहले सितारों की तस्वीरें लेना और दूसरा लक्ष्य ऐसे ग्रहों की तलाश करना है, जहां जीवन की उम्मीद हो।

हिसाब से जीवन जीने लायक ग्रह जल्दी मिलना चाहिए। अनंत ब्रह्मांड की गैलेक्सियों और तारों की खरबों की संख्या में कितने लाख या करोड़ ग्रहों में बायोमॉस याकि जीवन होगा इसकी जितनी कल्पना की जाए वह अब कम होगी। तथ्य नोट रखें कि खगोलविज्ञानियों का अनुमान है कि ब्रह्मांड में दो खरब गैलेक्सियां (2,000,000,000,000) है। इनके भीतर, एक-एक गैलेक्सी में कितने-कितने तारे और कुल तारों की संख्या कितनी है? इसका आंकडा कोई दो सौ अरब खरब तारों का है। मतलब ब्रह्मांड में 200,000,000,000,000,000,000,000 तारे! इस संख्या को एक जानकार ने पृथ्वी के सभी महासागरों के पानी से दस गुना अधिक पानी से भरे कपों की संख्या के बराबर सोचा है।

ब्रह्मांड का तीन चौथाई से ज्यादा हिस्सा डार्क मैटर से बना है। यह है क्या? किससे और कैसे बना हुआ है? इसे समझना अनंत ब्रह्मांड के कैनवस को जानना होगा। ब्रह्मांड का 80 से 85 फीसदी हिस्से का नाम डार्क मैटर इसलिए है क्योंकि यह प्रकाश से संपर्क नहीं करता है। इसलिए हम इसे देख नहीं सकते हैं।

तभी डार्क मैटर की पहेली फिलहाल मानव सभ्यता के वैज्ञानिकों के लिए नंबर एक चुनौती है। मैंने पिछले दिनों मानव सभ्यता पर लिखा था। उसमें मेसोपोटोमिया में सभ्यता की शुरुआत के साथ सूर्य की पूजा, चांद-सितारों के हवाले अलौकिक शक्ति याकि ईश्वर और धर्म के निर्माण की जो कहानी जानी तो गुत्थी समझ नहीं आई कि उस सभ्यता और उसके बाद मिस्त्र में सूर्य की धुरी पर ज्योतिष की जो कल्पनाएं हुई हैं तो कल्पना होना भी क्यों कर था? तब सौर मंडल और अब अनंत ब्रह्मांड की बुद्धि का विस्तार गजब है। कुछ भी कहें चंद देवर्षि लोगों ने ज्ञान-विज्ञान और सत्य खोज से इस ग्रह के लोगों को जो अनुभव कराया है वह कण मात्र होते हुए भी, मनुष्य का कण अस्तित्व होते हुए भी जैविक रचना का उतना ही अद्भुत और लाजवाब मामला है जितना अद्भुत ब्रह्मांड की रंगीनी का है!

**-हरिशंकर व्यास-**

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

# शिक्षकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू,स्कूलों में लटका ताला

-नगर संवाददाता-
**अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2022(घटती-घटना)।**
. केंद्र के समान महगाई भत्ता व गृह भाड़ा भत्ता की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन व शालेय शिक्षक संघ संयुक्त रूप से निश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। सोमवार को पहले दिन सरगुजा के सभी विकासखंडों में शिक्षकों ने भगवान शंकर को जलाभिषेक के साथ अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रारम्भ किया है। इस दौरान छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोशियशन के प्रदेश उपाध्यक्ष हरेंद्र सिंह ने बताया कि संयुक्त नेतृत्व व सामूहिक भूमिका के साथ अपनी 2 सूत्रीय मांगों को लेकर हम हड़ताल हैं। कर्मचारी हितों की अनदेखी राज्य सरकार द्वारा निरन्तर जारी है। हम अपने अधिकार के मांग के लिए हड़ताल पर है। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोशियशन के जिला अध्यक्ष

मनोज वर्मा ने बताया कि सरगुजा के सभी विकासखंडों में सभी स्कूलों में तालाबंदी की स्थिति रही। हम सरकार से मांग करते हैं कि उन्हें अगर बच्चों की पढ़ाई की चिंता है तो जल्द से जल्द हमारी मांगे पूरी करें। शालेय शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष सर्वजीत पाठक ने कहा कि हमने बहुत कोशिश की कि हमें अपनी मांगों को लेकर हड़ताल में न जाना पड़े। इसके लिए हमने सरकार के पास बार-बार निवेदन किया, लेकिन सरकार के कानों में जूं तक नही रेंगा। छत्तीसगढ़ में कम डीए के कारण प्रत्येक शिक्षक को पांच हजार से लेकर दस हजार रुपये महीने का नुकसान हो रहा है। गौरतलब है कि सरगुजा में समस्त शैक्षिणक संस्थाओ सहित समस्त शासकीय कार्यालय स्वस्फूर्त बन्द रहे। साथ ही सीतापुर के शिक्षक ढोल, मंजीरा के साथ भूपेश बघेल के सब्दुद्धि की कामना की। वहीं शिक्षकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल की जानकारी विद्यार्थियों की नहीं थी। विद्यार्थी अपने नियमित समय पर स्कूल पहुंचे। यहां शिक्षकों द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने के कारण स्कूल नहीं पहुंच सके। इस स्थिति में बच्चे वापस अपने-अपने घर लौट गए। वहीं बच्चों के वापस लौटने के बाद स्कूलों में ताला लटक रहा।
अनिश्चितकालीन हड़ताल लुंड्रा विकासखण्ड में रणबीर सिंह चौहान ,उदयपुर में लखन राजवाड़े ,सीतापुर में शुशील मिश्रा, बतौली में जवाहर खलखो, अम्बिकापुर में अमित सोनी, मैनपाट में रमेश यागिक व लखनपुर में राकेश पांडेय के नेतृत्व में आरम्भ हुआ। इस दौरान विभिन्न विकासखंडों में शालेय शिक्षक संघ के सुनील सिंह , संजीव सिंह सहित भरत सिंह , अमित सिंह , अरविंद सिंह, काजेश घोष, राजेश गुप्ता, लव गुप्ता, सुरित राजवाड़े, अनिल तिग्गा, रोहिताश शर्मा, नाजिम खान , राकेश दुबे , प्रशांत चतुर्वेदी, विशाल गुप्ता , डुमेश वर्मा, विक्रम श्रीवास्तव , कंचनलता श्रीवास्तव, अरविंद राठोर सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

### अधिकारी कर्मचारी हड़ताल पर,शासकीय दफ्तरों में सन्नाटा

महंगाई व गृह भाड़ा भत्ता को लेकर लेकर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला सरगुजा द्वारा 5 दिवसीय हड़ताल शुरू कर दिया है। सोमवार को हड़ताल के पहले दिन शासकीय दफ्तरों में काम काज पूरी तरह प्रभावित रहा। संभाग भर के कर्मचारियों ने अंबिकापुर स्थित एसबीआई के कलेक्टोरेट शाखा के सामने सभा कर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों को पूरी करने की मांग की। पदाधिकारियों ने बताया कि
अपनी 2 सूत्री मांगों को लेकर विगत 2 वर्षों से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने के बावजूद सरकार अपने कर्मचारी के महंगाई भत्ता, गृह भाड़ा भत्ता स्वीकृत नहीं किया गया। जिससे पूरे कर्मचारी अधिकारी में आक्रोश व्याप्त है। दूसरी तरफ सरकार ने अपने विधायक मंत्रियों के वेतन भत्ता दोगुनी कर लिया। प्रत्येक कर्मचारियों को 3000 से लेकर 15000 प्रतिमाह आर्थिक क्षति हो रही है, शासन द्वारा पूर्व के दे महंगाई भत्ते का एरियर का भुगतान नहीं किया गया है जिससे कर्मचारियों को डेढ़ लाख से तीन लाख रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है।
दो सूत्रीय मांगों को लेकर अधिकारी कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इससे जिले भर के शासीकय कार्यालयों में सन्नाटा पसरा रहा। कार्यालय खुली रही पर अधिकारी कर्मचारियों के न रहने के कारण किसी तरह का कोई काम नहीं हो सका। इस दौरान दूर दराज से ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

# करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत

### कांग्रेस जिलाध्यक्ष पर एफआईआर

-नगर संवाददाता-
**अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2022(घटती-घटना)।**
करंट की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई थी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता द्वारा फार्मिंग के लिए पॉली हाउस का निर्माण कराया जा रहा है। निर्माणस्थल के पास से ही 11 हजार केवीए का तार गुजरा है। रॉड उठाते समय करंट चपेट में आ गया था। वहीं कार्यस्थल पर लापरवाही पाए जाने पर दरिमा पुलिस ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता के खिलाफ 304 ए के तहत अपराध दर्ज किया है।
सीएसपी ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि शहर से लगे दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम करजी में अंबिकापुर निवासी कांग्रेस नेता राकेश गुप्ता द्वारा अपने कर्मचारियों के रहने के लिए मकान का निर्माण कराया जा रहा है। निर्माणस्थल के पास से ही 11 हजार केवीए का हाइटेंशन तार गुजरा है। 22 जुलाई को अन्य मजदूरों के साथ शिवपुर निवासी बसंत बैक उम्र 32 वर्ष काम कर रहा था। काम करने के दौरान लोहे का रॉड 11 हजार केवीए के तार सट गया। इससे बसंत करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। पुलिस ने जांच में पाया की निर्माण स्थल पर सुरक्षा का कोई इंतेजाम नही किया गया था। निर्माण कार्य में लापरवाही पाए जाने पर पुलिस ने राकेश गुप्ता के खिलाफ धारा 304 (ए) के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

# बेरोजगारी भत्ता की मांग को लेकर भाजयुमो ने चस्पा किया पोस्टर

-नगर संवाददाता-
**अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2022(घटती-घटना)।**
भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ प्रांत के आह्वान पर सोमवार को अंबिकापुर में भी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने वॉल राइटिंग तथा पोस्टर लगाओ अभियान चलाया। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा युवाओं के साथ भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार द्वारा किए जा रहे छल एवं भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर पूरे प्रदेश में आंदोलन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में भाजयुमो जिलाध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर के नेतृत्व में नगर के विभिन्न स्थानों पर रोजगार दो भूपेश सरकार, बेरोजगारी भत्ता देना होगा आदि स्लोगन के साथ वॉल राइटिंग

किया गया तथा पोस्टर चिपकाया गया। भाजयुमो सरगुजा द्वारा जिले के कोने-कोने से युवाओं को लेकर आगामी दिनों में लगातार आंदोलन करती रहेगी। 28 जुलाई को अंबिकापुर विधानसभा का धरना कार्यक्रम लखनपुर में, 29 जुलाई को लुण्ड्रा विधानसभा का विशाल धरना प्रदर्शन लुण्ड्रा में तथा पूरे जिले के युवाओं को लेकर के 3 अगस्त को एक बड़ा प्रदर्शन अंबिकापुर में किया जाएगा। इस दौरान जिला महामंत्री संजीव वर्मा, जिला मंत्री विकास शुक्ला चंदन, श्रीधर केसरी, धीरज सिंह, हर्ष जायसवाल, नगर मंडल अध्यक्ष निशांत सिंह सोलू, गोलू यादव, सौरभ मिश्रा, मनीष दुबे, दीपू पांडे, मनीष सिंह, रोनी मिश्रा आदि उपस्थित थे।

## वुडबॉल यूनिवर्सिटी चौंपियनशिप में साकेत ने जीता स्वर्ण पदक

-नगर संवाददाता-
**अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2022(घटती-घटना)।** ऑल इंडिया वुड बॉल यूनिवर्सिटी चौंपियनशिप में साईं बाबा कॉलेज के छात्र साकेत केडिया ने स्वर्ण पदक जीता है। इससे पूर्व संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय एक भी स्वर्ण पदक प्राप्त नहीं किया था। साकेत केडिया अंबिकापुर का रहने वाला है। इनके पिता रमेश केडिया व्यवासयी हैं। साकेत केडिया इससे पूर्व भी कई मेडल प्राप्त कर प्रदेश तथा महाविद्यालय का नाम रोशन किया है।

# जगन्नाथ मंदिर उत्कल समाज की नई कमेटी का हुआ गठन

-नगर संवाददाता-
**सूरजपुर ,25 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।**
महाप्रभु जगन्नाथ रथ यात्रा एवं जगन्नाथ मंदिर प्राण प्रतिष्ठा वार्षिक महोत्सव के सफल समापन के पश्चात, जगन्नाथ मंदिर उत्कल समाज की नई कमेटी का हुआ गठन विशाल स्वाई बने अध्यक्ष। गौरतलब है कि जगन्नाथ मंदिर उत्कल समाज बिश्रामपुर के द्वारा संपूर्ण जिले भर में एकमात्र रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है, जिसका स्वरूप प्रत्येक वर्ष बढ़ता ही जा रहा है । समाज द्वारा रथयात्रा के बढ़ते स्वरूप, मंदिर की सुचारू व्यवस्था

एवं उन्नति उत्थान हेतु नई कमेटी का गठन किया गया। जिसमें इस बार समाज के द्वारा युवाओं पर भरोसा जताते हुए उनके हाथों में बागडोर सौंपा। इसी कड़ी में विशाल स्वाई को अध्यक्ष, राजेंद्र प्रधान को

उपाध्यक्ष, प्रभाकर स्वाई सचिव, अक्षय साहू सह सचिव, एवं कोषाध्यक्ष अलंकार नायक को सर्व सहमति से मनोनीत किया गया। जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग में हर्ष व्याप्त है। वही कार्यकारिणी का

विस्तार करते हुए प्रदीप त्रिपाठी, संतोष विश्वाल, निराकार नायक, अतुल स्वाई, रजत पात्रो को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। साथ ही जगन्नाथ मंदिर मैं प्रत्येक माह के संक्रांत को आयोजित होने वाले अत्यंत महत्वपूर्ण गरीब नारायण सेवा प्रभारी एलसी त्रिपाठी को बनाया गया। इस संबंध में नवीन अध्यक्ष विशाल सवाई ने बताया कि पुरानी कमेटी ने बड़ी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर समाज को यहां तक पहुंचाया है, जिसे हम आगे बढ़ाएंगे । समाज में कई महत्वपूर्ण योजनाएं एवं सेवा प्रारंभ किए जाने हैं। साथ ही मंदिर निर्माण प्रथम लक्ष्य होगा, जिसके लिए हम सभी समाज के लोग तैयारी में लग चुके हैं। आने वाले वर्षों में क्षेत्रवासियों को पुरी जगन्नाथ मंदिर का एक छोटा स्वरूप बिश्रामपुर क्षेत्र में देखने को मिलेगा।

# कार्यालयों में पसरा सन्नाटा,स्कूल भी रहे बंद

-नगर संवाददाता-
**सूरजपुर ,25 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।**
-छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन के बैनर तले सोमवार को प्रदर्शन का आगाज हो चुका है। इसी कड़ी में बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन जिला मुख्यालय में रंगमंच मैदान सहित समस्त विकासखण्डों में धरना दे रहे हैं। स्कूलों से लेकर सरकारी दफ्तरों तक में ताले लग गए हैं।शासन-प्रशासन को इस हड़ताल सम्बंधित सूचना दे दिया गया है। सभी विभाग के कर्मचारी अपने-अपने विभाग के प्रमुखों को सूचना भी दे दी गई हैं। इसके साथ ही सभी कर्मचारी काम बंद, कलम बंद हड़ताल में कूद पड़े है। इसके साथ ही पूर्ण रूप से सभी विभाग में ताला बंदी की नौबत आ गई है। कई कार्यालयों में पड़ताल करने से पता चला कि, सभी जगह काम काज बंद है सभी अधिकारी कर्मचारी सामूहिक रूप से अवकाश लेकर हड़ताल पर है। कई विभागों में तो ताला लटका मिला। वहीं कई स्कूलों में मध्यान भोजन के बाद छात्र छात्राओं को छुट्टी दे दी गई है।अधिकारी-कर्मचारियों की हड़ताल के चलते ग्रामीणों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही तहसील कार्यालय में हड़ताल को लेकर क्षेत्र के कई स्कूल भी बंद पड़े हुए हैं।प्रदर्शन कर रहे अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन के जिला संयोजक अनिल मिश्रा ने बताया कि शासन कर्मचारियों के अधिकारों का हनन कर रही है, राज्य सरकार द्वारा 34 प्रतिशत डीए और सातवें वेतनमान के आधार पर गृह भाड़ा भत्ता नहीं देने से कर्मचारी व अधिकारियों में नाराजगी बनी हुई है। इसके चलते वे हड़ताल पर जा रहे है। सोमवार को प्रथम दिवस धरना प्रदर्शन में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन में सम्बद्ध जिले के समस्त संगठनों के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

# कांवरियों का जत्था देवगढ़ धाम पहुंचा

-नगर संवाददाता-
**सूरजपुर ,25 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।**
पवित्र श्रावण मास के दूसरे सोमवार को जिला मुख्यालय से सोमवार को तड़के हजारों कांवरियों की भीड़ जिला मुख्यालय के छठ घाट में रेड नदी के तट से कांवड़ में जल भरकर कांवरियों की भीड़ शाम को देवगढ़ धाम पहुंची। जहां वे मंगलवार को शिवरात्रि के तड़के वैदिक मंत्रोंचारणों के बीच अर्धनारेश्वर शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगे। कांवरियों के लिए शिव भक्तों ने जगह जगह जलपान एवं भोजन किए व्यवस्था की थी। 28 वर्ष की परंपरा का निर्वहन करते हुए हजारों शिवभक्त कांवरियों की भीड़ सोमवार को तड़के उत्तरवाहिनी रेणुका नदी के तट पर जिला मुख्यालय स्थित छठ घाट पहुंची। हजारों कांवरियों का जत्था रेणुका नदी से कांवड़ में जल भरकर भोले बाबा का जयकारा लगाते हुए देर शाम देवगढ़ धाम पहुंचा। जहां वे इसी जल से मंगलवार को तड़के शिवरात्रि के दिन देवगढ़ धाम स्थित अर्धनारीश्वर शिवलिंग पर जलाभिषेक करेंगे।
मां कुदरगढ़ी सेवा परिवार का 25 वां वार्षिक महोत्सव सोमवार को देवगढ़ धाम में मनाया गया। आयोजन में मध्यप्रदेश से आये मेरे भारत का बच्चा-बच्चा जय-जय श्री राम बोलेगा की फ्रेम इंडिया कलाकार पूजा गोल्हनी, प्रीति रजक, लक्ष्मी कोवर, विवेक ताम्रकार, शुभम गुप्ता नामक कलाकारों द्वारा भजनों की मनमोहक प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वही चंदन यादव एवं अनीश बैंड एंड म्यूजिकल ग्रुप भजनों की प्रस्तुति उत्कृष्ट रही।
देवगढ़ धाम में 11 फीट ऊंचे शिवलिंग को बाबा बर्फानी का विशाल रूप दिया गया था। जो काफी मनमोहक और भक्तों के आकर्षण का केंद्र था। जिसका निर्माण महाराष्ट्र के कारीगरों द्वारा किया गया था। वहीं सेवा परिवार द्वारा शिवभक्त कांवरियों के लिए भंडारा प्रसाद की व्यवस्था भी की गई थी। जगह जगह कांवरियों के लिए थी व्यवस्था,,,
जिला मुख्यालय से कांवर लेकर पैदल देवगढ़ धाम जा रहे हजारों कांवरियों के लिए विभिन्न स्वयंसेवी व सामाजिक संगठनों द्वारा जलपान, भोजन एवं अन्य व्यवस्थाएं निशुल्क की गई थी।

# महंगाई भत्ता व गृह भाड़ा भत्ता की मांग को लेकर अधिकारी कर्मचारी हड़ताल पर

-नगर संवाददाता-
**लखनपुर 25 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।**
छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले 25 जुलाई से 29 जुलाई तक महंगाई भत्ता गृह भाड़ा भत्ता की मांग को लेकर अधिकारी कर्मचारी हड़ताल पर हैं शासकीय अधिकारी कर्मचारियों के हड़ताल में जाने से जन समाधान शिविर स्कूल पढ़ाई सहित विभिन्न कार्य प्रभावित हुए हैं तो वही विकासखंड के कई स्कूलों में देखने को मिला की शिक्षकों के हड़ताल पर चले जाने पर बड़े बच्चों के द्वारा छोटे बच्चों को पढ़ाई कराई जा रही है इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर

तले लखनपुर ब्लाक के लिपिक संघ अध्यक्ष के नेतृत्व में लखनपुर तहसील कार्यालय परिसर में विभिन्न विभाग के शासकीय अधिकारी व कर्मचारी महंगाई गृह भाड़ा भत्ता की मांग को लेकर 25 जुलाई से 29 जुलाई तक हड़ताल पर चले गए हैंद्य महंगाई भत्ता और गृह भाड़ा भत्ता को लेकर बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी हड़ताल पर पहुंचे साथ ही उन्होंने कहा कि अगर हमारी मांगे पूरी नहीं होती है तो आने वाले समय में यह हड़ताल जारी रहेगा इस दौरान बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

## सरगुजा व बलरामपुर कलक्टर के नाम पर अज्ञात ठग लोगों को मैसेज कर मांग रहा रूपये

-नगर संवाददाता-
**अंबिकापुर/रामानुजगंज. 25 जुलाई 2022(घटती-घटना)।**
.सरगुजा कलक्टर कुंदन कुमार तथा बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कलेक्टर विजय दयाराम के. नाम पर अज्ञात ठग द्वारा लोगों को मैसेज कर रुपए मांगने का मामला सामने आया है। यह जानकारी सामने आने के बाद दोनों कलेक्टर ने खुद सोशल मीडिया पर एक संदेश जारी कर लोगों को अलर्ट किया है। साथ ही इस मामले में अज्ञात शख्स के खिलाफ एफआईआर कराने की कार्रवाई किए जाने की बात कही है। इससे पूर्व भी फेसबुक व व्हाट्सएप के माध्यम से ठगी किए जाने के मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे लोग संबंधित का डीपी यूज कर उनके परिचितों से इमरजेंसी के नाम पर रुपए मांगते हैं।
गौरतलब है कि इन दिनों साइबर ठगी के मामलों में काफी ज्यादा बढ़ोतरी देखी जा रही है। शातिर ठग आम व्यक्ति से लेकर अधिकारियों तक के नाम पर लोगों को ठगी का शिकार बना ले रहे हैं।
ऐसे ही एक मामले में अज्ञात ठग द्वारा सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार व बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कलेक्टर विजय दयाराम के. के नाम पर लोगों को मैसेज कर रुपए की मांग की जा रही है। इसकी जानकारी जब दोनों कलेक्टरों को मिली तो उन्होंने तत्काल सोशल मीडिया पर एक संदेश जारी कर लोगों को अलर्ट कर दिया।

CMYK

# अन्य स्रोतों से होने वाली आय और इस पर किस तरह लगता है इनकम टैक्स

» कर्मचारी द्वारा अपने इंप्लॉयर से प्राप्त कोई भी उपहार वेतन से आय के तहत कर योग्य है.

» व्यवसाय या पेशे से मिलने वाला कोई भी उपहार बिजनेस या प्रोफेशन के तहत प्रॉफिट एंड गेन के तहत आता है.

» इनके अलावा, कोई भी गिफ्ट/एसेट अन्य स्रोतों से होने वाली आय के तहत कर योग्य है.

**नई दिल्ली, 25 जुलाई 2022।** अन्य स्रोतों से होने वाली आय इनकम टैक्स एक्ट के तहत आने वाली अलग-अलग 5 तरह की आय में से एक है. बाकी चार आयों की परिभाषाएं पूरी तरह से साफ हैं. और जो आय अन्य चार आयों के तहत नहीं आती है, उसे इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेज अथवा दूसरे स्रोतों से होने वाली आय कहा जाता है.

इसके तहत आने वाली आय पर भी आपको अपनी टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स देना होता है, लेकिन इसमें कुछ पेंच हैं, जिन्हें समझ लेना बेहद जरूरी है. इसमें विभिन्न कंपनियों से मिलने वाला लाभांश, ब्याज से होने वाली आय, रॉयल्टी से प्राप्त इनकम इत्यादी शामिल हैं.

किसी कर्मचारी द्वारा अपने इंप्लॉयर से प्राप्त कोई भी उपहार 'वेतन से आय' के तहत कर योग्य है, जबकि व्यवसाय या पेशे से मिलने वाला कोई भी लाभ/उपहार/अनुलाभ बिजनेस या प्रोफेशन के तहत 'प्रॉफिट एंड गेन' के तहत कर योग्य है. इनके अलावा, कोई भी गिफ्ट/एसेट अन्य स्रोतों से होने वाली आय के तहत कर योग्य है.

### उपहार के मामले में

यदि किसी करदाता को बिना किसी कंसीडरेशन के कोई मोनेटरी उपहार मिलता है और उसकी कुल उचित बाजार मूल्य 50,000 से अधिक है, तो पूरी राशि अन्य स्रोतों के रूप में कर योग्य है. यदि करदाता को अपर्याप्त कंसीडरेशन के साथ कोई मौद्रिक उपहार प्राप्त हुआ है और यदि कुल FMV 50,000 से अधिक है, तो FMV और असली कंसीडरेशन के बीच का अंतर घोषित किया जाना जरूरी है.

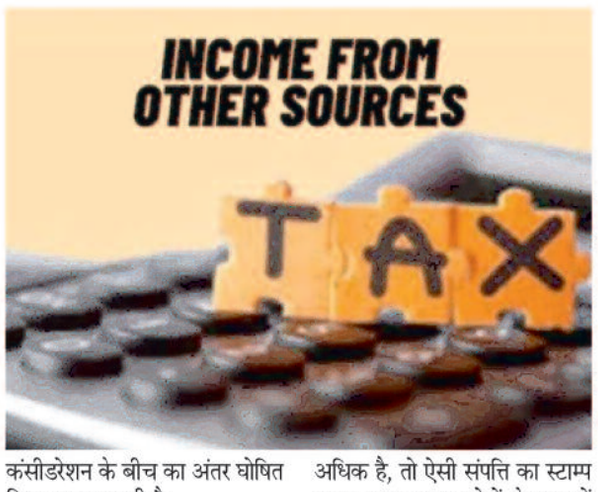




अचल संपत्ति के मामले में, यदि यह बिना कंसीडरेशन के प्राप्त होती है और स्टाम्प शुल्क मूल्य 50,000 से अधिक है, तो ऐसी संपत्ति का स्टाम्प शुल्क मूल्य अन्य स्रोतों के रूप में कर योग्य होगा, जबकि यदि ऐसी संपत्ति कंसीडरेशन के लिए मिलती है, जोकि प्रॉपर्टी के स्टाम्प ड्यूटी वेल्यू से अमाउंट 50,000 रुपये से अधिक है तो ऐसी संपत्ति की स्टाम्प ड्यूटी वेल्यू जो कि वास्तविक कंसीडरेशन से अधिक होगी, पर टैक्स चुकाना होगा.

यदि इस तरह के मौद्रिक उपहार या संपत्ति किसी रिश्तेदार (पति या पत्नी, भाई, बहन या पति या पत्नी के भाई, और प्राप्तकर्ता के माता-पिता की बहन, आदि) से, या किसी भी वसीयत या विरासत के तहत प्राप्त होती है, तो कोई कर नहीं होगा.

### लाभांश से मिलने वाली इनकम

IFOS के तहत आय का एक अन्य साधन लाभांश है. किसी भी कंपनी द्वारा अपने शेयरधारकों को दिया गया डिविडेंड इसके तहत आता है. जो भी व्यक्ति डिविडेंड हासिल करता है, उस पर टैक्स चुकाना उसी की जिम्मेदारी होती है. इसे आय के अन्य स्रोतों में गिना जाता है. व्यक्ति जिस भी टैक्स स्लैब में आता है, उसी के तहत इस डिविडेंड पर भी टैक्स देना होता है.

किसी कंपनी द्वारा अपने मुख्य कर्मचारियों के लिए ली गई कीमैन (चद्र4द्बद्बठ्ठ) इंश्योरेंस पॉलिसी के मामले में, यदि इंश्योर्ड व्यक्ति को अमाउंट प्राप्त होता है, तो कीमैन इंश्योरेंस पॉलिसी की मैच्योरिटी पर मिलने वाले पैसे को भी आय के अन्य स्रोतों में गिना जाता है.

### ब्याज से होने वाली आय

ब्याज से होने वाली आय पर भी आयकर देना होगा है. इनमें कुछ अलग-अलग शर्ते लागू होती हैं. उदाहरण के लिए यदि बैंक अकाउंट में रखे पैसों पर 10,000 रुपये से अधिक की ब्याज मिलती है तो उस पर टैक्स लगेगा, जबकि पब्लिक प्रोविडेंट फंड पर मिलने वाले ब्याज पर कोई टैक्स नहीं चुकाना होता है. इसी तरह यदि PF कंट्रीब्यूशन एक वित्त वर्ष में 2.5 लाख रुपये से अधिक होता है तो टैक्स लगता है. पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट पर मिलने वाले ब्याज पर 3,500 रुपये तक पर टैक्स नहीं लगता. ये व्यक्तिगत खाते पर है, यदि जॉइन्ट खाता हो तो फिर 7,000 रुपये तक पर टैक्स नहीं लगता है.

उपरोक्य आय के साधनों के अलावा लॉटरी लगने पर, क्रॉसवर्ड पज्ज़ल, होर्स रेस, कार्ड गेम्स या फिर शर्त लगाने पर हुई आय को भी आय के अन्य स्रोतों में गिना जाता है।

# स्पाइसजेट के 48 विमानों की जांच में नहीं मिला कोई सुरक्षा उल्लंघन,तकनीकी खामियों पर बोली सरकार

**नई दिल्ली , 25 जुलाई 2022।** विमानन कंपनी स्पाइसजेट के विमानों में तकनीकी खराबी की शिकायतों के क्रम में सरकार ने सोमवार को राज्यसभा में जानकारी दी है। नागर विमानन राज्य मंत्री वी के सिंह ने सोमवार को कहा कि विमानन नियामक डीजीसीए ने नौ जुलाई से 13 जुलाई के बीच स्पाइसजेट के 48 विमानों की 53 मौकों पर जांच की, लेकिन इसमें कोई बड़ा सुरक्षा उल्लंघन नहीं पाया गया। गौरतलब है कि हाल ही में डीजीसीए ने स्पाइस जेट को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था।

नागर विमानन राज्यमंत्री वीके सिंह ने अपने लिखित बयान में कहा कि ÷हालांकि सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने स्पाइसजेट को आदेश दिया है कि वह पहचाने गए 10 विमानों का उपयोग नियामक से पुष्टि करने के बाद ही करे।

गौरतलब है कि विमानन नियामक डीजीसीए ने पिछले 18 दिनों में तकनीकी खामी को लेकर छह जुलाई को स्पाइसजेट को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसमें कहा गया था कि %आंतरिक सुरक्षा निरीक्षण खराब होने और रखरखाव को लेकर पर्याप्त कदम नहीं उठाये जाने से सुरक्षा में कमी आयी है।

नागर विमानन राज्यमंत्री वीके सिंह ने कहा कि नोटिस जारी करने के तीन दिन बाद ही नियामक ने स्पाइसजेट के विमानों की जांच शुरू कर दी थी। ये जांच 13 जुलाई को पूरी की गई थी। इस दौरान 48 विमानों की कुल 53 मौकों पर जांच की गई, जिसमें कोई बड़ी महत्वपूर्ण खोज या सुरक्षा उल्लंघन नहीं पाया गया।

छह जुलाई को स्पाइसजेट को भेजे अपने नोटिस में रेगुलेटर ने कहा था कि एयरलाइन एयरक्राफ्ट रूल्स, 1937 के तहत सुरक्षित, कुशल और विश्वसनीय हवाई सेवाएं देने में सफल नहीं रही है। नियामक ने नोटिस का जवाब देने के लिए एयरलाइन को तीन सप्ताह का समय दिया था। डीजीसीएकी ओर से जारी की गई नोटिस पर केंद्रीय नागरिक उड्यन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट करते हुए कहा था कि सुरक्षा में बाधा डालने वाली छोटी से छोटी त्रुटि की भी गहन जांच की जाएगी और उसे सही किया जाएगा।

डीजीसीए की ओर से शोकॉज नोटिस जारी होने की खबरों के मीडिया में आने के बाद स्पाइसजेट ने भी इस मामले में अपनी सफाई दी थी। कंपनी की ओर से कहा गया था कि स्पाइसजेट ने पिछले साल अक्टूबर में रिसर्टीफिकेशन के लिए हुए ऑडिट को सफलतापूर्वक पूरा किया था। डीजीसीएकी ओर से समय-समय पर ऑडिट किया जाता रहा है। कंपनी की ओर से यह भी कहा गया था कि स्पाइसजेट डीजीसीए और नागर विमानन के प्रावधानों के अनुरूप अपनी विमान सेवाओं का संचालन कर रही है।

## 12 फर्जी कंपनियां चला रही थीं बंगाल के मंत्री की 'करीबी' अर्पिता, ओडिशा और तमिलनाडु से जुड़े तार

**नई दिल्ली , 25 जुलाई 2022।** ईडी के एक सीनियर अधिकारी ने बताया है कि बंगाल के स्कूल जॉब स्कैम की शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि अर्पिता मुखर्जी जो बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी की नजदीकी सहयोगी हैं, 12 फर्जी कंपनियां चला रही थीं। ईडी के आधिकारी के अनुसार ऐसी कंपनियों से जुड़े दस्तावेज जांच एजेंसी ने शनिवार की शाम अर्पिता मुखर्जी के जोका फ्लैट में छापेमारी के दौरान बरामद किए हैं। उनके अनुसार ईडी को शक है कि इस मामले में ओडिशा और तमिलनाडु के कुछ कम जानेमाने लोग भी शामिल हो सकते हैं। आपको बता दें कि अर्पिता मुखर्जी कुछ बांग्ला और उड़िया फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। ईडी के अधिकारी ने बताया है कि हमें अर्पिता के जोका फ्लैट पर जो दस्तावेज मिले हैं, उनसे पता चलता है कि वह आर्थिक गड़बड़ी को अंजाम देने के लिए कई फर्जी कंपनियां चला रही थीं। हमारे पास 12 ऐसी कंपनियों के दस्तावेज हैं। उन्होंने कहा, ÷ मामले में ओडिशा और तमिलनाडु के कुछ लोगों की संलिप्तता हो सकती है, जिनके बारे में हमारा मानना है कि उन्होंने इस मामले में पैसों का लेन-देन किया।

# 6 दिनों की तेजी के बाद बाजार फिसला,सेंसेक्स 306 अंक टूटा,16,600 के करीब बंद हुआ निफ्टी

» कारोबारी हफ्ते के पहले दिन बाजार में गिरावट

» सेंसेक्स में 306 अंकों की गिरावट

» निफ्टी 16,650 के नीचे हुआ बंद

**नई दिल्ली, 25 जुलाई 2022।** घरेलू शेयर बाजार में लगातार छह सत्रों की तेजी के बाद सोमवार को गिरावट रही. बाजार आज दबाव के बीच दायरे में रहा. ऑटो, एनर्जी, फार्मा, इंफ्रा शेयरों पर सबसे ज्यादा दबाव रहा. वहीं, मेटल, आईटी और पीएसई शेयरों में खरीदारी रही. कारोबार के अंत में सेंसेक्स (स्द्गठ्ठह्यद्ग×) 306.01 अंक यानी 0.55 फीसदी की गिरावट के साथ 55,766.22 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं निफ्टी (ह्लद्बद्घह्ल4) 108.85 अंक यानी 0.65 फीसदी टूटकर 16,610.60 के स्तर पर बंद हुआ.

शुक्रवार को हरे निशान के साथ बंद हुआ था शेयर बाजार

पिछले सत्र में, शुक्रवार को 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 390.28 अंक यानी 0.70 फीसदी बढ़कर 56,072.23 अंक पर बंद हुआ था, इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 114.20 अंक यानी 0.69 फीसदी की मजबूती के साथ 16,719.45 अंक पर बंद हुआ.

Qv Results: केनरा बैंक का नेट प्रॉफिट 72% बढ़कर 2,022 करोड़ रुपये रहा

फंसे कर्ज में कमी और आमदनी बढ़ने से सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ जून तिमाही में 72 प्रतिशत बढ़कर 2,022.03 ष्ह्म्शह्द्ग करोड़ रुपये हो गया है. एक साल पहले जून तिमाही में बैंक को 1,177.47 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था. केनरा बैंक ने शेयर बाजारों को बताया कि अप्रैल-जून 2022-23 में उसकी कुल आय बढ़कर 23,351.96 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले समान अवधि में 20,940.28 करोड़ रुपये थी.

Qv Results: इंफोसिस का मुनाफा 3.2त्न बढ़कर ?5,960 करोड़ रहा

देश की दूसरी बड़ी सॉफ्टवेयर सर्विस प्रोवाइडर इंफोसिस (द्बठ्ठद्घशह्य4ह्य) ने रविवार को चालू वित्त वर्ष (2022-23) की पहली तिमाही के अपने वित्तीय नतीजे घोषित कर दिए हैं. कंपनी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका कन्सॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 3.2 फीसदी बढ़कर 5,360 करोड़ रुपये हो गया. कंपनी ने अप्रैल-जून तिमाही के नतीजों की शेयर बाजारों को जानकारी देते हुए कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका नेट प्रॉफिट 5,195 करोड़ रुपये रहा था.

# सस्ती विदेश यात्रा के लिए इन जगहों पर जा सकते हैं आप,बजट में होगा सफर

अधिकतर युवा किसी विदेशी देश की यात्रा करने का सपना देखते हैं। जिन लोगों को घूमने का शौक होता है, वह विदेश जरूर जाना चाहते हैं। जब वह किसी फिल्म में कोई विदेशी लोकेशन देखते हैं, तो लोग वहां जाने का मन बनाने लगते हैं। वहीं आजकल सोशल मीडिया पर भी बहुत सुंदर सुंदर विदेशी जगहों की तस्वीरें व वीडियो देखने को मिलते हैं, जिन्हें लोग करीब से देखना चाहते हैं। हालांकि किसी दूसरे देश का सफर काफी महंगा हो सकता है। लोगों को लगता है कि विदेश यात्रा में आने जाने से लेकर वीजा और दूसरे देश में रहने, खाने पीने व घूमने में बहुत ज्यादा पैसे खर्च हो सकते हैं। वहीं लोगों के लिए भारत में घूमना आसान होता है, लेकिन विदेश उनके लिए एकदम नई जगह होती है। ऐसे में अगर आप विदेश ट्रिप पर जाना चाहते हैं तो सबसे ट्रैवल पैकेज अपना सकते हैं। दूसरे देशों की यात्रा बजट में करने के लिए यहां आपको कई विकल्प मिल रहे हैं।

### वियतनाम

अगर आप किसी सस्ती विदेशी ट्रिप पर जाना चाहते हैं तो वियतनाम का प्लान बनाएं। खरीदारी के लिए ये बहुत सस्ता देश है। यहां एक रुपये की कीमत 334.68 वियतनामी दोंग है। भारत से यात्रा पर जाने के लिए वियतनाम दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में शामिल सबसे सस्ते देशों में से है। यहां सुंदर समुद्र तट, लैंडस्केप, लजीज स्ट्रीट फूड, गुफाएं घूमने को मिलेंगी।

### श्रीलंका

भारत से श्रीलंका की यात्रा भी बजट में की जा सकती हैं। श्रीलंका भी सस्ता देश है। श्रीलंका की सैर केरल से भी सस्ती है। भारत का एक रुपया 2.30 श्रीलंकाई रुपये के बराबर है। श्रीलंका के तटीय इलाकों को घूमने के साथ ही यहां कई खूबसूरत पर्यटन स्थल देखने को मिलेंगे।

### मलेशिया

भारत से बाहर किसी देश की यात्रा पर जा रहे हैं, तो मलेशिया की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। महज चार घंटे की उड़ान में भारत से मलेशिया का सफर तय कर पाएंगे। हर साल यहां भारत से काफी पर्यटक आते हैं। मलेशिया का प्रमुख पर्यटन स्थल कुआलालंपुर है। स्काई स्क्रेप्स का लुत्फ भी उठा सकते हैं। मलेशिया में कई गुफाएं और बुकिट बिटांग जैसे बाजार हैं।

### नेपाल

भारत के करीब नेपाल घूमने के लिए बहुत सुंदर देश है। नेपाल घूमने का खर्च भी कम होता है। कम पैसों में भारत से बाहर किसी देश को घूमने जाना चाहते हैं तो नेपाल जाएं। दिल्ली से काठमांडू के लिए फ्लाइट से जा सके हैं, जहां नेपाल का रास्ता डेढ़ घंटे का है। एयरपोर्ट से नेपाल के लिए कई बस सेवाएं भी हैं। नेपाल में भारतीय रुपये की कीमत ज्यादा होने के कारण कम पैसों में खूबसूरत मठ, माउंट एवरेस्ट बेस कैंप, मंदिर आदि की सैर कर सकते हैं।

# फलाहारी रेसिपी में बनाएं साबुदाने की खीर,व्रत में मिनटों में हो जाएगी तैयार

सावन का महीना चल रहा है। भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए भक्त सोमवार के दिन व्रत करते हैं। सोमवार व्रत में फलाहारी चीजें खाने की इजाजत है। जिसमे साबुदाना शामिल है। साबुदाने की खिचड़ी ज्यादातर लोग बनाकर खाना पसंद करते हैं। क्योंकि ये फटाफट बनकर तैयार हो जाती है। और लंबे समय तक पेट भरा रहता है। आप चाहे तो साबूदाने की खीर भी बनाकर तैयार कर सकती हैं। ये मिनटों में बनकर तैयार हो जाती है। तो चलिए जानें कैसे तैयार होगी साबुदाने की खीर।

### साबुदाने की खीर बनाने की सामग्री

साबुदाना एक कप, दूध एक लीटर, चीनी चार से पांच चम्मच या फिर अपने स्वाद के अनुसार, इलायची पाउडर एक छोटा चम्मच, कंडेस्ड मिल्क चार चम्मच, काजू, बादाम, पिस्ता।

### साबुदाना बनाने की विधि

साबुदाना की खीर बनाने के लिए सबसे पहले किसी भगोने में दूध रखकर उबाल लें। जब दूध में एक उबाल आ जाए तो गैस की आंच को बिल्कुल धीमा कर दें। फिर इस दूध में इलायची पाउडर डालें। साथ में मनचाहे ड्राई फ्रूट्स को काटकर डालें। आप चाहें तो काजू और बादाम के साथ ही किशमिश, छुहारा जैसे ड्राई फ्रूट्स का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे खीर की मिठास बढ़ जाएगी और चीनी का इस्तेमाल कम करना पड़ेगा। ये ड्राई फ्रूट्स नेचुर स्वीटनर का काम करते हैं। ऐसे में इसे आसानी से खाया जा सकता है।

जब दूध में सारे ड्राई फ्रूट्स डाल दें तो इसे कम से कम पांच से दस मिनट तक पकने दें। फिर दूध में साबुदाना डाल दें। साबुदाना को दूध में डालने से पहले अच्छी तरह से धोकर रख लें। जिससे कि ये बिल्कुल साफ हो जाए। अब साबुदाना को धीमी आंच पर पकने दें। इसे पकने में कुछ समय लगेगा। जब साबुदाना अच्छी तरह से पक कर फूल जाए तो खीर में चीनी डाल दें। इससे पहले आप चाहें तो खीर में कंडेस्ड मिल्क भी डाल सकती हैं। चीनी गल जाए तो गैस बंद कर दें। बस ठंडाकर ड्राई फ्रूट्स को ऊपर से सजाकर गर्मागर्म सर्व करें।

# जुम्बा बनाम एरोबिक्सःजानिए इनमें से किसका चयन करना है अधिक बेहतर

**शरीर को फिट एंड फाइन रखने के लिए कई तरह की एक्सरसाइज हैं, इसलिए अक्सर लोग इस उलझन में रहते हैं कि कौन-सी एक्सरसाइज को चुनना सबसे अच्छा है। हालांकि, मनोरंजन और एक्सरसाइज का मजेदार संयोजन लोगों को बिना कुछ सोचे-समझे अपना लेना चाहिए, जैसे जुम्बा और एरोबिक्स। यह उन लोगों के लिए अधिक उपयोगी हो सकता है, जो अपनी फिटनेस यात्रा शुरू कर रहे हैं। आइए आज हम आपको जुम्बा और एरोबिक्स के अंतर को समझाते हैं।**

### जुम्बा क्या है?

जुम्बा लैटिन नृत्य की विभिन्न शैलियों के साथ फिटनेस को जोड़ती है। संगीत के साथ इसके कुछ सत्र होते हैं। इसका अभ्यास पूरे शरीर की कसरत सुनिश्चित करता है और आपको मस्ती करते हुए अधिक से अधिक कैलोरी बर्न करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, जुम्बा आपकी सहनशक्ति को बढ़ाने और मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने में भी मददगार है। यह शारीरिक लचीलापन बढ़ाने और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर करने में भी सहायक है।

### एरोबिक्स क्या है?

एरोबिक्स एक्सरसाइज को कार्डियो के रूप में भी जाना जाता है, जिससे हृदय में ऑक्सीजन युक्त रक्त को पंप करने की जरूरत होती है ताकि काम करने वाली मांसपेशियों को ऑक्सीजन पहुंचाया जा सके। इसके अतिरिक्त, एरोबिक अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाती है और रक्त शर्करा के स्तर को कम करती है और मोटापे से भी बचाती है। एरोबिक एक्सरसाइज के तौर पर आप अपने रूटीन में स्वीमिंग, जॉगिंग, साइकिलिंग और रस्सी कूदना आदि को शामिल कर सकते हैं।

### आपके लिए कौन-सी एक्सरसाइज है बेहतर?

जुम्बा और एरोबिक एक्सरसाइज, दोनों ही वजन कम करने और शारीरिक सहनशक्ति में सुधार करने में सहायक हैं और इनसे मिलने वाले अन्य स्वास्थ्य फायदों में भी कुछ ज्यादा अंतर नहीं है। फिर भी अगर आपका लक्ष्य मांसपेशियों को मजबूत करना है तो एरोबिक एक्सरसाइज को चुनना आपके लिए बेहतर है। हालांकि, अगर आपको नृत्य करना पसंद है और अपने पूरे कसरत सत्र में मनोरंजन करना चाहते हैं तो जुम्बा का चयन करें।

### आप खुद से कौन-सी एक्सरसाइज कर सकते हैं?

एरोबिक एक्सरसाइज को खुद से किया जा सकता है। इससे हमारा मतलब है कि इसके लिए आपको किसी प्रशिक्षक की जरूरत नहीं है। आप आसानी से टहलने से लेकर दौड़ने जैसी एक्सरसाइज के लिए खुद जा सकते हैं। हालांकि, स्वीमिंग या साइकिलिंग करने के लिए पूरी जानकारी होनी चाहिए। एरोबिक्स के विपरीत, जुम्बा के लिए आपको एक अच्छे प्रशिक्षक की जरूरत है ताकि आपको इसके सारे फायदे मिल सकें।

# रूस को मिला दुनिया का सबसे खतरनाक हथियार, क्या अमेरिका के साथ बनेगा नए शीत युद्ध की वजह?

» बेलगोरोड को साल 2020 में रूस की नेवी को इसे सौंपा जाना था
» बेलगोरोड, करीब 184 मीटर यानी 608 फीट लंबी है
» पनडुब्बी के निर्माताओं की मानें तो ये एक रिसर्च करने वाली पनडुब्बी है

**मॉस्को, 25 जुलाई 2022।** रूस की नेवी को हाल ही में दुनिया की सबसे बड़ी पनडुब्बी मिली है। इस पनडुब्बी के निर्माताओं की मानें तो ये एक रिसर्च करने वाली पनडुब्बी है। लेकिन रूस के दुश्मनों की मानें तो ये वो हथियार है जिसे जासूसी के लिए प्रयोग किया जाने वाला है और जो एक परमाणु हथियार हो सकता है। इस पनडुब्बी का नाम बेलगोरोड है और इस महीने इसे रशियन नेवी को सौंपा गया है। रूस से सेवेरोडविन्स्क बंदरगाह पर इसकी डिलीवरी ली है। देश के सबसे बड़े जहाज निर्माता सेवमैश शिपयार्ड की तरफ से इस बात की जानकारी दी गई है।

**क्या फिर छिड़ेगा शीत युद्ध?**

विशेषज्ञों की मानें तो इस पनडुब्बी के डिजाइन को कुछ बदला गया है। ये पनडुब्बी रूस की ऑस्कर द्वद्व क्लास गाइडेड मिसाइल पनडुब्बी का बदला हुआ स्वरूप है। इसका मकसद दुनिया के पहले परमाणु क्षमता वाले टॉरपीडोज और इंटलीजेंस जुटाने के लिए जरूरी उपकरणों को कैरी करना है। अगर बेलगोरोड सफल रही तो फिर ये पनडुब्बी अमेरिका के साथ शीत युद्ध की बड़ी वजह बन सकती है।

अमेरिका और रूस की पनडुब्बियों के बीच अक्सर ही टकराव की खबरें आती रहती हैं। बेलगोरोड, करीब 184 मीटर यानी 608 फीट लंबी है और ये दुनिया की सबसे बड़ी पनडुब्बी है। ये पनडुब्बी अमेरिका के पास मौजूद ओहायो क्लास की बैलेस्टिक और गाइडेड मिसाइल पनडुब्बियों से भी ज्यादा बड़ी है। ओहायो क्लास पनडुब्बी 569 फीट या 171 मीटर लंबी है।

**साल 2019 में पहली झलक**

बेलगोरोड पहली बार साल 2019 में नजर आई थी। उस समय ये माना गया था कि साल 2020 में रूस की नेवी को इसे सौंपा जा सकता है। लेकिन कोरोना वायरस की वजह से इसमें देरी हो गई। रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी इतरतास की तरफ से बारे में जानकारी दी गई थी। उस समय ये नहीं बताया गया था कि इसे कब तक तैनात किया जाएगा। बेलगोरोड, रूस के पास मौजूद बाकी परमाणु पनडुब्बियों से बहुत अलग है।

**खतरनाक टॉरपीडो**

इसे जिस टॉरपीडो से लैस किया गया है, उसे दुनिया का मेगा टॉरपीडो करार दिया जा रहा है। पनडुब्बी को जब तैनात किया जाएगा तो ये पोसायडन न्यूक्लियर क्षमता वाली टॉरपीडोज को लॉन्च कर सकेगा। पोसायडन को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि उसे सैंकड़ों मील दूर से दुश्मन पर लॉन्च किया जा सकता है। अमेरिका के पनडुब्बी विशेषज्ञ एचआई व्यूटन के मुताबिक पोसायडन बिल्कुल ही नई श्रेणी का हथियार है। ये रूस और पश्चिम के बाकी देशों के लिए सबकुछ बदल देगा। सभी देशों को नए तरह के हथियारों और नए काउंटर वेपंस की जरूरत महसूस होने लगेगी।

# हैती प्रवासियों को ले जा रही नाव समुद्र में डूबी, 17 की मौत,सुरक्षाबलों ने 25 को बचाया

**मेक्सिको सिटी, 25 जुलाई 2022।** हैती प्रवासियों को लेकर जा रही एक नौका रविवार तड़के (स्थानीय समयानुसार) समुद्र में डूब गई। इस हादसे में हैती के 17 प्रवासियों की मौत हो गई है, जबकि 25 अन्य लोगों को बचा लिया गया है।

एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, बहामास के अधिकारियों का कहना है कि हैती प्रवासियों को ले जा रही एक नाव पूरी तरह से समुद्र में पलट गई।बहामियन सुरक्षाबलों ने 17 लोगों के शव बरामद किए हैं, जबकि 25 अन्य को बचा लिया गया है।

हालांकि यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि न्यू प्रोविडेंस से लगभग सात मील की दूरी पर नाव के डूबने के बाद कोई लापता है या नहीं। प्रधानमंत्री फिलिप ब्रेव डेविस ने एक बयान में कहा कि मृतकों में 15 महिलाएं, एक पुरुष और एक शिशु शामिल है। उन्होंने कहा कि बचाए गए लोगों को स्वास्थ्य

कर्मियों द्वारा निगरानी के लिए ले जाया गया।

**मृतकों में 15 महिलाएं, एक पुरुष और एक बच्चा शामिल**

बहामास के प्रधानमंत्री फिलिप ब्रेव डेविस ने एक बयान में कहा कि मृतकों में 15 महिलाएं, एक पुरुष और एक बच्चा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बचाए गए लोगों को निगरानी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डेविस ने कहा कि जांचकर्ताओं ने यह पता लगाया है कि एक डबल इंजन वाली स्पीड बोट बहामास से देर रात लगभग एक बजे 60 लोगों को लेकर रवाना हुई, जाहिर तौर पर वे लोग मियामी के लिए रवाना हुए थे। डेविस ने कहा कि संदिग्ध मानव तस्करी अभियान को लेकर भी आपराधिक जांच शुरू की गई है।

**बहामास के पीएम ने मरने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की**

डेविस ने कहा, ÷मैं इस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति अपनी सरकार और बहामास के लोगों की संवेदना व्यक्त करता हूं। मेरी सरकार जब से सत्ता में आई है, ऐसे विश्वासघाती यात्राओं के खिलाफ लोगों को चेतावनी दी है।

हैती के प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने कहा कि उन्हें पीड़ितों के माता-पिता के प्रति सहानुभूति है। उन्होंने कहा कि ÷इस घटना से पूरे देश में शोक का माहौल है। मैं एक बार फिर राष्ट्रीय सुलह के लिए एक अपील शुरू करता हूं, ताकि उन समस्याओं को हल किया जा सके जो हमारे भाइयों, हमारी बहनों, हमारे बच्चों को हमारी धरती से दूर ले जा रही हैं।

# ऋषि सुनक बोले-पीएम बना तो शरणार्थी नीति बनाऊंगा व्यावहारिक,संसद तय करेगी शरणार्थियों की संख्या

**लंदन, 25 जुलाई 2022।**

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की जगह लेने के लिए विदेश मंत्री लिज ट्रस के साथ दौड़ में शामिल ऋषि सुनक ने पार्टी कार्यकर्ताओं के सामने शरणार्थी नीति पर विचार रखते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री बने तो व्यावहारिक आधार पर प्रवासी मुद्दों को हल करने की नीति अपनाएंगे। इस सामान्य समझ में खासतौर पर ब्रिटेन की सुरक्षा को सबसे ज्यादा अहमियत दी जाएगी।

भारतीय मूल के नेता फिलहाल दौड़ में विदेश मंत्री लिज ट्रस से पिछड़ते दिख रहे हैं। अंतिम फैसला पांच सितंबर को मतदान के आधार पर होना है। रविवार को सुनक ने पार्टी कार्यकर्ताओं व ब्रिटेन के लोगों के सामने देश की सुरक्षा को लेकर दस सूत्रीय योजना पेश करते हुए कहा कि वह यूरोपियन कोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स (ईसीएचआर) की शक्तियों पर अंकुश लगाएंगे। इसके अलावा, अवैध शरणार्थियों और अपराधियों को वापस लेने से इनकार करने वाले देशों की सहायता रोकी जाएगा और अवैध प्रवासियों को क्रूज जहाजों पर भेजा जाएगा।

उन्होंने कहा कि ईसीएचआर ब्रिटिश सीमाओं को नियंत्रित करने की हमारी क्षमता को बाधित नहीं कर सकता और हमें इसकी अनुमति भी नहीं देनी चाहिए। ब्रिटिश राजव्यवस्था को फिलहाल सामान्य ज्ञान की एक स्वस्थ खुराक की जरूरत है, जो मैं देने वाला हूं। रिचमंड से कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद ऋषि सुनक ने कहा कि सरकार ब्रेक्जिट के बाद भी अब तक देश की सीमाओं पर प्रभावी नियंत्रण हासिल नहीं कर पाई है। इससे जाहिर है ब्रेक्सिट को लेकर किए गया वादा भी पूरा नहीं हुआ है। इसकी वजह से देश में शरणार्थी संकट बना हुआ है और अराजकता फैल रही है।

**संसद तय करेगी शरणार्थियों की संख्या**

ऋषि ने कहा, ब्रिटेन में कितने शरणार्थियों को जगह मिले, इसका फैसला हमारी संसद में होना चाहिए। ब्रिटेन की सीमाओं की सुरक्षा के गंभीर मुद्दे की वजह से ही वह ब्रेक्जिट के पक्ष में थे। खुद के भारतीय मूल के व्यक्ति के तौर शरणार्थियों को लेकर धुर दक्षिणपंथी विचार उन्हें चुनाव में यकीनन बढ़त दिला सकते हैं।

रवांडा भेजने की योजना को ट्रस का समर्थन लिज लिज ट्रस ने अवैध शरणार्थियों को रवांडा भेजने की अपनी विवादास्पद योजना को कामयाब बताते हुए दलीलें दीं। सुनक ने कहा कि योजना की शुरुआत में ही कई तरह की वैधानिक बाधाएं आ चुकी हैं।

# कनाडा पहुंचे पोप,मूल निवासियों के बच्चों पर अत्याचारों की मांगेंगे माफी, हजारों बच्चों की हुई थी मौत

**एडमॉन्टन/वेटिकन सिटी, 25 जुलाई 2022।**

पोप फ्रांसिस प्रायश्चित यात्रा पर रविवार को कनाडा में अल्बर्टा प्रांत के एडमॉन्टन पहुंचे, जहां प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और गवर्नर जनरल मैरी मे साइमन ने उनका स्वागत किया। पोप फ्रांसिस यहां उन स्थानीय लोगों से माफी मांगेंगे, जिनके बच्चे कैथोलिक चर्च के आवासीय विद्यालयों में यौन दुराचार सहित कई तरह के अत्याचारों के शिकार हुए हैं।

वेटिकन के प्रवक्ता ने बताया कि पोप एक अप्रैल को वेटिकन सिटी में तीनों कनाडाई समुदायों के प्रतिनिधिमंडलों से माफी मांग चुके हैं। अब 24 से 30 जुलाई की यात्रा के दौरान पीड़ितों और उनके परिवारों से माफी मांगेंगे। कनाडा रवाना होने से पहले 85 वर्षीय पोप ने दैनिक संबोधन मे कहा कि आत्मा की शांति के लिए वह अपना दुख और एकजुटता जताने के लिए ऐसा रहे हैं। वेटिकन गए तीनों समुदायों के प्रतिनिधिमंडल ने साफ कर दिया है, वह मौखिक माफी से संतुष्ट नहीं होंगे। लोग उन बच्चों के बारे में जानना चाहते हैं, जो इन स्कूलों से घर नहीं लौटे। इसके लिए चर्च अभिलेखागारों तक निर्बाध पहुंच की मांग हो रही है।

**एक स्कूल में 200 सामूहिक कब्रें**

2015 में कनाडा के ट्रुथ एंड रिकॉन्सिलेशन कमीशन की ओर से कनाडा की जमीन पर आकर पोप के माफी मांगने की मांग के बाद से इन स्कूलों में 2000 से ज्यादा गुमनाम बच्चों की कब्रें मिल चुकी हैं। फरवरी 2021 में ब्रिटिश कोलंबिया में स्थित एक स्कूल में गुमनाम बच्चों की 200 सामूहिक कब्रें मिलीं। चर्च के अभिलेखागार से मिले दस्तावेज से पुष्टि हुई कि यह बच्चे कनाडा के तीन समुदायों के थे। जांच में उनके साथ यौन दुराचार व अत्याचार की पुष्टि हुई।

**यह सिर्फ एक शुरुआत**

कन्फेडेरसी ऑफ ट्रीटी सिक्स के ग्रैंड चीफ जॉर्ज आकैंड जूनियर कहते हैं, यह माफी हमारे अनुभवों को मान्यता देगी। साथ ही यह चर्च के लिए दुनियाभर के मूल निवासियों के साथ संबंधों को सुधारने का अवसर भी होगा। लेकिन, बात यहां खत्म नहीं होती है, असल में यह एक शुरुआत है, जहां से कैथोलिक चर्च को अपने कृत्यों के प्रायश्चित शुरू करने होंगे।

**दर्द से थोड़ी राहत मिलेगी**

पोप फ्रांसिस सोमवार को सबसे पहले अल्बर्टा के मास्क्वासिस में माफी मांगेंगे। यहां के लुइस बुल फर्स्ट नेशन के प्रमुख डेसमंड बुल कहते हैं, बच्चों पर हुए अत्याचारों और संस्कृतियों को रौंदन के लिए माफी से मसले हल नहीं हो जाएंगे, हालांकि यह दिलों में भरे उस दर्द के उस गुबार को निकालने का एक जरिया बनेगी, जिसकी टीस लोग सदियों से लिए बैठे हैं।

# बेच रहे थे राष्ट्रपति आवास से चुराया सामान,चढ़े पुलिस के हत्थे

**कोलंबो , 25 जुलाई 2022।** श्रीलंका की पुलिस ने राष्ट्रपति भवन से चोरी किए गए सोने की परत वाले पीतल के 40 सॉकेट बेचने की कोशिश कर रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। देश में गंभीर आर्थिक संकट के कारण सरकार विरोधी प्रदर्शन कर रहे लोग राष्ट्रपति के आवास में घुस आए थे। इसी दौरान यह सामान चोरी किया गया था। सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के आधिकारिक आवास और पूर्व प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के निजी आवास पर नौ जुलाई को कब्जा कर लिया था। भीड़ ने विक्रमसिंघे के निजी आवास में आग भी लगा दी थी। ऑनलाइन समाचार पत्र 'डेली मिरर' ने बताया कि नौ जुलाई को फोर्ट में राष्ट्रपति के

आवास में प्रदर्शन के दौरान घुसने वाले तीन लोगों को सोने की परत वाले पीतल के 40 सॉकेट के साथ गिरफ्तार किया गया है। खिड़कियों पर पर्दे लटकाने के लिए ये सॉकेट दीवार पर लगाए गए थे।

उसने बताया कि वेलिकाडा पुलिस ने रविवार को इन्हें बेचने की कोशिश कर रहे संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। इनकी आयु 28 साल, 34 साल और 37 साल है। पुलिस ने संदेह जताया कि इन तीनों को नशा करने की लत है।

रिपोर्ट में कहा गया कि इन तीनों को कोलंबो (उत्तर) आपराधिक जांच प्रभाग को सौंपा जाएगा, जो इस प्रकार के मामलों की जांच कर रहा है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, कम से कम 1,000 मूल्यवान वस्तुएं राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास से चोरी की गई हैं।

# जापान के सकुराजिमा ज्वालामुखी में हुआ विस्फोट,पांचवें स्तर का अलर्ट जारी

**टोक्यो , 25 जुलाई 2022।**

जापान के कागोशिमा प्रान्त में स्थित सकुराजिमा ज्वालामुखी रविवार रात को फट गया। इसमें से लगातार राख और पत्थर निकल रहे हैं। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने कहा है कि सकुराजिमा ज्वालामुखी में स्थानीय समयानुसार रात करीब आठ बजकर पांच मिनट पर विस्फोट हुआ। आसपास के लोगों के लिए घर खाली करने के लिए बोला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जेएमए ने पांचवें स्तर का अलर्ट जारी किया है।

**लोगों को घर छोड़ने का आदेश जारी किया**

एजेंसी का अनुमान है कि ज्वालामुखी से किसी बड़े पैमाने पर विस्फोट की संभावना नहीं है। फिर भी, एजेंसी ने अपने अलर्ट स्तर को पांच के उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिया है। 2007 में सिस्टम शुरू होने के बाद पहली बार इसे सकुराजिमा में लागू किया गया था। एनएचके वर्ल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, कागोशिमा शहर के अधिकारियों ने 33 घरों में 51 लोगों

की आबादी वाले अरिमुरा और फुरुसातो शहरों के निवासियों को घर छोड़ने का आदेश जारी किया।

**बड़ी ज्वालामुखी चट्टानें गिर सकती हैं**

मौसम विज्ञान एजेंसी के अधिकारियों ने कहा कि कागोशिमा शहर के कुछ हिस्सों में ज्वालामुखी के तीन किलोमीटर के दायरे में बड़ी ज्वालामुखी चट्टानें गिर सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि लोगों को लगभग 2 किलोमीटर के दायरे में पाइरोक्लास्टिक प्रवाह के प्रति सतर्क रहना चाहिए।

**ज्वालामुखी गतिविधियां तेज होती जा रही हैं**

एजेंसी के एक अधिकारी ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि सकुराजिमा की ज्वालामुखी गतिविधियां तेज होती जा रही हैं। रिहायशी इलाकों के लोगों को आस-पास गिरने वाली बड़ी ज्वालामुखीय चट्टानों के लिए हाई अलर्ट पर रहना चाहिए। उनका यह भी कहना है कि लोगों को लगभग 2 किलोमीटर के दायरे में पाइरोक्लास्टिक प्रवाह के प्रति सतर्क रहना चाहिए।

# नेपाल में पेड़ पर लटकी मिलीं तीन किशोरियां,बलूचिस्तान में बारिश से 100 की मौत

**मिलान (इटली), 25 जुलाई 2022।**

नेपाल के झापा जिले में रविवार को एक ही पेड़ पर तीन किशोरियों के शव लटके पाए गए। पुलिस उपाधीक्षक वसंत पाठक ने बताया कि इनमें से 16 और 17 साल की दो लड़कियां शनिवार की दोपहर से लापता थीं। तीनों संकोषी चाय बागान में काम करती थीं। उनके शव भारत नेपाल सीमा के पास स्थित पठामारी में एक पेड़ पर लटके पाए गए। प्राथमिक जांच के बाद पुलिस तीनों के आत्महत्या करने की बात कह रही है।

**भूमध्यसागरीय जहाजों में पांच शव मिले, 1100 प्रवासी बचाए गए**

इटली की व्यावसायिक नौकाओं ने भूमध्यसागर में मछली पकड़ने वाली नौकाओं से लीबिया के तट के निकट पांच लोगों के शव बरामद किए और इसमें लदे 674 लोगों को बचाया। उधर, यूरोपीय संस्थाओं ने भी पांच सौ से ज्यादा लोगों को बचाने की जानकारी दी है। इन्हें बचाने के काम में कोलाबरिया तट के निकट नेवी का व्यावसायिक जहाज, तटरक्षक बल की तीन नौकाएं और पुलिस बोट को लगाया गया। बचाए गए लोगों को कोलाबरिया और सिसली ले जाया गया है। पांचों लोगों की मौत का कारण अभी पता नहीं चला है।

भारी बारिश के कारण हुई दुर्घटनाओं के कारण बलोचिस्तान में 100 लोगों की मौत हो गई और 57 अन्य घायल हुए हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने बताया, हाल की भारी बारिश के कारण महिलाओं-बच्चों समेत सौ लोगों की जान गई है। इस दौरान 6063 घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए। चार मख्य राजमार्गों समेत 550 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। बारिश के कारण 712 पशु भी मर गए। और भारी बारिश की भविष्यवाणी को देखते हुए सरकार ने एक महीने के लिए धारा 144 लागू कर दी है।

इस धारा के लागू होने के बाद लोगों को

नदियों, बांध और अन्य जनस्रोतों के पास जाने से रोका जाता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से स्थानीय स्तर पर सहायता राशि पहुंचाई जा रही है। लोगों को रहने के लिए तंबू, पानी निकालने के पंप आदि दिए गए हैं। पीडीएमए ने बताया, बारिश के कारण 2500 घर पूरी तरह धराशायी हो गए हैं, जबकि 1417 को नुकसान पहुंचा है।

**फिलीपीन की यूनिवर्सिटी में गोलीबारी पूर्व मेयर समेत तीन की जान गई**

राजधानी क्षेत्र स्थित क्यूजोन शहर की एटेनियो डि मनीला यूनिवर्सिटी में रविवार को एक बंदूकधारी ने गोलियां चलाकर लेमिटन शहर की पूर्व मेयर रोसिता फुरिगे, उनके एक साथी और यूनिवर्सिटी के गार्ड की हत्या कर दी। घटना में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है। कार में बैठकर भागने का प्रयास करते संदिग्ध को वारदात के चश्मदीदों और अधिकारियों ने यूनिवर्सिटी के गेट पर घेर लिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर दो पिस्टल और एक साइलेंसर बरामद किया है। घटना के बाद यूनिवर्सिटी को बंद कर दिया गया है। एजेंसी

**ब्रिटेन से फ्रांस की सीमाओं पर लगा जाम, लोग घंटों तक फंसे**

ब्रिटेन से लोगों के बड़ी तादाद में सप्ताहांत की छुट्टियां मनाने के लिए फ्रांस गए लोगों के लौटने के कारण सीमाओं पर भारी जाम लग गया। साथ ही ब्रिटेन में गर्मी की छुट्टियां भी चल रही हैं। इस कारण लोग सैर-सपाटे पर निकले हुए हैं। यूरोटनल का कहना है, भीड़ इस कदर थी कि रेलवे शटल पकड़ने के लिए ड्राइवरों को कम से कम 90 मिनट तक इंतजार करना पड़ रहा था।

सड़क पर फंसे वाहनों में हजारों लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। इसके कारण मालवाहकों की भी कतारें लग गईं। वर्ष 2020 में ब्रिटेन के यूरोपीय यूनियन से बाहर निकलने के कारण इसके नागरिकों को यूरोपीय देशों की सीमाओं में घुसने के लिए कड़ी जांच का सामना करना पड़ता है।

**श्रीलंका में राष्ट्रपति सचिवालय तैयार**

श्रीलंका में आर्थिक संकट के विरोध में शुरू हुए प्रदर्शनों का केंद्र बने राष्ट्रपति सचिवालय को 100 दिन बाद शनिवार को कामकाज के लिए खोल दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कड़ी सुरक्षा के बीच यहां सोमवार से कामकाज शुरू हो जाएगा। उधर, राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा, प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान है लेकिन हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

CMYK

# पांच कलेक्टर व चार पुलिस अधीक्षकों को जिले में बदला जा चुका, एक जिला पंचायत सीईओ का आखिर क्यों नहीं हो रहा तबादला ?

» क्या जिले में प्रशासनिक कसावट नहीं होने का मुख्य कारण है ट्रांसफर नीति का पालन सही से नहीं होना।
» क्या ट्रांसफर नीति निष्पक्ष है या फिर जनप्रतिनिधियों का नीति पर है कब्जा।
» ईमानदार छवि के प्रशासनिक अधिकारी कब मिलेंगे जिले को और कब होगा जिले का भला या जिले वासी होते रहेंगे परेशान?
» क्या ट्रांसफर में पैसे की बोली हावी यही वजह है कि काम करने वालों को नहीं मिलता जिला।
» जनता को परेशान करने वाले मुख्य चिकित्सा स्वास्थ अधिकारी व जिला पंचायत सीईओ का तबादला कब?
» वन विभाग का भ्रष्टाचार करने वाले रेंजर से एसडीओ बने अधिकारी का तबादला कब, क्या तबादला नहीं सेवानिवृत्त होंगे अधिकारी?
» पैसे देकर प्रशासनिक अधिकारी जिले का संभाल रहे कमान भाजपा का बड़ा आरोप तो कैसे होगी प्रशासनिक कसावट लोग तो होंगे परेशान।

-रवि सिंह-
**बैकुण्ठपुर 25 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।**

छत्तीसगढ़ शासन की अजीब तबादला नीति देखकर अब लगने लगा है कि प्रदेश में प्रशासनिक कसावट कभी नहीं आने वाली और अधिकारियों की मनमानी यूंही जारी रहेगी जो साढ़े तीन सालों से जारी है और ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि कोरिया जिले में ही पिछले कई तबादलों पर नजर डाला जाए तो एक बात सामने नजर आएगी वह यह कि मनचाही जगह पर तबादला या मनचाही जगह पर वर्षो जमे रहने का पूरा जुगाड़ वर्तमान सरकार के कार्यकाल में है जो कई पिछले तबादला सूची देखकर समझ मे भी आता है। जिले में पांच कलेक्टर बदले जा चुके वहीं चार पुलिस अधीक्षक अभी तक बदले जा चुके हैं वहीं यदि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत की बात की जाए तो वह टिके हुए हैं जबकि उनको लेकर कर्मचारियों को लामबंद होते हुए भी देखा गया था जो उनके व्यवहार के कारण लामबंद हुए थे वहीं दो पुलिस अधीक्षकों की ही बात की जाए पुराने तो उनको लेकर जो बड़ी बात सुनने को मिली वह यह कि वह आते ही जाने की बात करते रहे और कहां जा सकते हैं यह भी वह उजागर करते हुए अंततः रवाना हो गए। अब यदि उन्हें मनचाही जगह जाने का अवसर कम समय मे ही मिल गया मतलब प्रदेश में मनचाही तबादला नीति अधिकारियों के लिए कम से कम जारी है।

### आखिर जिला पंचायत सीईओ का तबादला क्यों नहीं हो रहा...

जिला पंचायत कोरिया के सीईओ का तबादला आखिर क्यों नहीं हो रहा है यह सवाल अब खड़ा हो रहा है क्योंकि उनको लेकर कई बार शिकायतें उनके व्यवहार को लेकर आई और कई बार उनका सार्वजनिक रूप से भी व्यवहार को लेकर शिकायतें आईं जिसके बाद भी उनका तबादला नहीं हुआ। जिला पंचायत सीईओ अभी जाना नहीं चाहते केवल इसलिए उनका तबादला नहीं हुआ यह बात सामने आ रही है और जब वह जाना चाहेंगे उनका मनचाही जगह पर तबादला हो जाएगा यह भी बताया जा रहा है। जबकि इनके रहते हुए कोई भी जांच पूरी नहीं हो पाई चाहे वह जिला पंचायत के अंतर्गत कर्मचारियों की हो या फिर जनपद पंचायत के अंतर्गत होने वाले कामों के हो या फिर कहा जाए तो स्वास्थ विभाग का भी वही हाल है जहां पर भी जांच का जिम्मा मिला पर जांच आज तक पूरा नहीं हुआ, ना जाने इनके रहते हुए कोई भी जांच शायद ही पूरा हुआ होगा, सूत्रों की माने तो कार्यवाही के लिए जांच शुरू हुई पर जांच एक भी पूरी नहीं हुई चाहे वह किसी भी विभाग की हो।

### एसडीओ फारेस्ट जो नीचे से ऊपर पद पर आने तक जिले में ही हैं पदस्थ

जिले के वन विभाग की ही बात करें तो एसडीओ फोरेस्ट जो नीचे से ऊपर तक जिले में ही पदस्थ रहें हैं और अभी हाल में ही जिनको एसडीओ पद पर पदोन्नति मिली है पदोन्नति के बाद भी उनका तबादला नहीं हुआ है और वह भी जब चाहेंगे तभी उनके तबादला होगा यह बताया जाता है भी एक उदाहरण हैं जिससे साबित होता है कि प्रदेश में अधिकारियों का राज है और सरकार उनके कहे अनुसार चल रही है। रेंजर से एसडीओ बने उक्त एसडीओ की बेनामी सम्पतियों की पूरी लंबी लिस्ट है जो वह जिले में ही पदस्थ रहकर कमाएं हैं और जिसमें जमीन सबसे ज्यादा उन्होने खरीदे हैं जो जग जाहिर है।

### सीएमएचओ स्वास्थ्य भी हैं अपनी मर्जी के मालिक, नहीं लगा पाया उन पर कोई अंकुश

यदि स्वास्थ्य विभाग की ही बात की जाए तो सीएमएचओ एवम उनके अधीनस्थ एक लिपिक जो एनएचआरएम का प्रभार सम्हालते हैं दोनों की जुगलबंदी से जिले के स्वास्थ्य विभाग में बड़ा गोलमाल जारी है बावजूद इसकी जानकारी होते हुए इनपर कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही है। सीएमएचओ एवम एनआरएचएम के उक्त लिपिक की संम्पतियों में भी हाल फिलहाल में काफी बढ़ोतरी हुई है और जो भी जग जाहिर है लेकिन इनपर भी न तो सतर्कता विभाग की नजर पड़ रही है और न सरकार के किसी खुफिया विभाग की। दोनों के कार्यप्रणाली पर अंकुश भी लगा पाने में शासन असमर्थ साबित हो रहा है वहीं दोनों के कारण पूरा विभाग परेशान है जनता भी परेशान है।

## थाना भटगांव पुलिस ने गुमशदा महिला को किया दस्तयाब

-नगर संवाददाता-
**सूरजपुर ,25 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।**

थाना भटगांव क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने थाना भटगांव में सूचना दिया कि 7 जनवरी 2022 को इसकी 23 वर्षीय पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई है। सूचना पर पुलिस ने गुम इंसान कायम कर पतासाजी प्रारंभ किया। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर के निर्देशन में एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में थाना भटगांव की पुलिस ने गुमशुदा के परिजनों, आसपड़ोस के लोगों से पूछताछ कर पतासाजी की गई। इसी बीच पुलिस को नई तकनीक व सूत्र के जरिए जानकारी मिला की गुमशुदा हैदराबाद में है जिसके बाद पुलिस ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तत्परतापूर्वक गुमशुदा को

दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया। पूछताछ पर महिला ने बताया वह एक व्यक्ति से शादी करने के बाद हैदराबाद चली गई थी। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी भटगांव शरद चन्द्रा, एएसआई विरेन्द्र यादव, प्रधान आरक्षक पवन सिंह, आरक्षक अखिलेश पाण्डेय, रजनीश पटेल, संतोष जायसवाल सक्रिय रहे।

## कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन का कलम बन्द काम बन्द महाआंदोलन शुरू

-रवि सिंह-
**बैकुण्ठपुर 25 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।**

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला कोरिया इकाई द्वारा तृतीय चरण के निश्चित कालीन पांच दिवसीय कलम बन्द काम बन्द आंदोलन का प्रथम दिवस दिनांक 25.07.2022 को बैकुंठपुर के प्रेमाबाग प्रांगण में भारी संख्या में एकत्रित होकर किया गया जिसमें रैली दिनांक 29 जुलाई को बैकुंठपुर के प्रेमाबाग प्रांगण से कलेक्ट्रेट तक 10 हजार कर्मचारियों की संख्या में निकली जाएगी, कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आंदोलन में लिपिक वर्गीय संघ,शिक्षक संघ,पटवारी संघ, भृत्य संघ, राजपत्रित अधिकारी संघ, वन कर्मचारी संघ,स्वास्थ्य कर्मचारी संघ,सचिव संघ,महिला एवं बाल विकास पर्यवेक्षक संघ, आरएमए एसोसियेशन, स्वास्थ्य संयोजक संघ, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी व निर्माण विभाग डिप्लोमा अभियंता संघ सम्मिलित हुए संभागीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने कहा कि यह हम सब की व्यक्तिगत लड़ाई है हमें डी ए एवं गृह भाड़ा भत्ता का नुक़सान हो रहा है यह कर्मचारियों के अस्तित्व की लड़ाई है इसमें नुक़सान सभी कर्मचारियों का हो रहा है आंदोलन को विफल करने हेतु पूरी ताकत से प्रयास किया जा रहा है लेकिन हमे इस आंदोलन को पूरी एकता से सफल करना है इस आंदोलन को अपना आंदोलन समझना है।

विदित हो की केंद्र अपने कर्मचारियों को 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता दे रही है जबकि राज्य शासन 22 प्रतिशत दे रही है जो की अन्याय है और मौलिक अधिकार का हनन भी आज महंगाई अपने चरम पर पहुंच

गई है लेकिन हमें 3 पूर्व का ही डी ए प्राप्त हो रहा है फेडरेशन के महासचिव विश्वास भगत व जिला संयोजक अशोक यादव ने कहा कि लगभग सभी राज्यों ने अपने के अपने कर्मचारियों के लिए 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता की घोषणा की है किन्तु छत्तीसगढ़ राज्य ही घोषणा नहीं किया यह समझ से परे है जबकि बढ़ती हुई महंगाई का आकलन कर उसी अनुपात में डी ए देना नियम में एक अनिवार्य तत्व है फेडरेशन के उपाध्यक्ष ए पन्ना ने कहा कि आंदोलन का आज आगाज हो चुका है हमें पुरजोर तरीके से अपना विरोध प्रदर्शन करना है हम सफल होंगे, संरक्षक शंकर सुमन मिश्रा ने कहा कि द्वितीय एवं तृतीय चरण के आंदोलन के पश्चात भी हमारी मांगे पूर्ण नहीं हुई इस कारण हमें आज तृतीय चरण के आंदोलन हेतु बाध्य होना पड़ा यदि इसके पश्चात भी हमारी मांगे पूर्ण नहीं हुई तो हमें चतुर्थ चरण के आंदोलन हेतु बाध्य होना पड़ेगा।

### 25 जुलाई के आंदोलन में

संभागीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह,जिला संयोजक अशोक यादव,जिला महासचिव विश्वास भगत, संरक्षक शंकर सुमन मिश्रा,अध्यक्ष राजपत्रित अधिकारी संघ डाक्टर एस के मिश्रा,जिला अध्यक्ष सचिव संघ शिवलाल रजवाड़े,अनिल दुबे,प्रांतीय कार्यकारिणी सचिव उपाध्यक्ष सादिर खान,संभागीय वन कर्मचारी संघ पवन रूपोलीहा,तहसील अध्यक्ष बैकुंठपुर रामसाय रजवाड़े,जिला अध्यक्ष फेडरेशन आर पी मिश्रा,जिला उपाध्यक्ष फेडरेशन ए पन्ना,जिला कार्यकारिणी संजय सिंह,लिपिक संघ जिला अध्यक्ष के जेड उस्मानी, सादिक खान,अध्यक्ष पटवारी संघ भरत यादव, पटवारी तहसील अध्यक्ष संजय सूर्यवंशी,जिला अध्यक्ष आर एम ए स्वास्थ्य संघ परमेश्वर रजवाड़े,संभागीय अध्यक्ष स्वास्थ्य संयोजक संघ अमृतलाल टुंडे, डाक्टर सुधांशु गुप्ता ,अध्यक्ष लिपिक संघ धीरज सिंह बघेल,पंकज पांडेय,मीडिया प्रभारी मो नय्यर अंसारी,महिला बाल विकास पर्यवेक्षक संघ रेणु जायसवाल ,शैलेश खाखा, भृत्य संघ से संदीप सिंह ,शैलेश सिंह,ब्लाक अध्यक्ष सोनहत रवि पांडेय,मेरी लूसी बड़ा,आशा भगत,ज्योति नेताम, शुशिला सिंह, रंजीत सिंह,अध्यक्ष शिक्षक संघ समोद कुमार दुबे,डाक्टर नायक,दशरथ सिंह, राजस्व निरीक्षक संघ मुकेश सिंह, योगेश गुप्ता, तारा मरावी, किरण दुबे, कीर्ति वर्मा,छाया पांडेय, बाबू नाथ कुशवाहा आदि भारी संख्या में कर्मचारी कलम बन्द काम बन्द कर हड़ताल में सम्मिलित हुए।

## प्रेमाबाग के शिव मंदिर में जलाभिषेक कर आंदोलन का किया शंखनाद

-रवि सिंह-
**बैकुण्ठपुर 25 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।**

सावन सोमवार पावन दिन में महंगाई भत्ता और गृह भाड़े के दरों को बढ़ाये जाने की मांग को लेकर अनिश्चिततकालीन हड़ताल का आगाज किया एवम भोलेनाथ से ही प्रार्थना की सरकार जल्द ही उनकी मांगों को पूरी करें जलाभिषेक करने में मुख्यरूप से टीचर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष बीरेंद्र तिवारी शिक्षक संघ और शालेय शिक्षक संघ के पदाधिकारी और नवीन शिक्षक संघ के जिलाअध्यक्ष श्री हरिकांत अग्निहोत्री और बड़ी संख्या में शिक्षक रहे उपस्थित।टीचर्स एसोशियेशन कोरिया के जिला अध्यक्ष बीरेंद्र तिवारी और प्रांतीय सह संगठन सचिव अशोक लाल कुर्रे ने सभी शिक्षकों और कर्मचारियों से आह्वान किया की सब संगठित हो और आंदोलन को सफल बनायें

आज की महंगाई के इस दौर में महंगाई भत्ता और गृह भाड़े की दर न बढ़ाने पर शिक्षकों और कर्मचारियों मे काफी आक्रोश है, उल्लेखनीय है कि प्रान्त से क्रमबद्ध आंदोलन हेतु कार्यक्रम जारी किए गए जिसमें कल मंगलवार दिनांक 26/07/22 सभी ब्लॉक मुख्यालय में एसडीएम और तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन सौपा जाएगा, उक्ताशय की जानकारी जिला मीडिया प्रभारी चेतनारायण कश्यप ने दी।

## हरेली के उल्लासपूर्ण आयोजन हेतु समय पूर्व कर लें सभी तैयारियां:सीइओ

-रवि सिंह-
**बैकुण्ठपुर 25 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।**

आगामी तीन दिवस बाद पारंपरिक त्यौहार हरेली का जिले भर में उल्लासपूर्ण आयोजन किया जाना है। इसके लिए कलेक्टर कोरिया कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीइओ ने सभी ब्लाक स्तरीय अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। जिला पंचायत सीइओ ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि परंपरा के अनुसार विधि विधान से पूजन और अन्य उत्सव आयोजन व्यवस्थित तरीके से कराए जाएं। इसके लिए सभी अधिकारी अपने चयनित आयोजन स्थल का मुआयना करके सभी व्यवस्थाएं सुनिष्चित कर लें। उन्होने कहा कि इस त्योहार के आयोजन के लिए राज्य शासन द्वारा विस्तृत निर्देष जारी किए गए हैं। उनके अनुसार सभी जगहों में पारंपरिक खेल जैसे गेड़ी, फुगड़ी, आदि कराने के लिए मैदान आदि का चयन कर लें। ग्रामीणों की उपस्थिति के लिए ग्राम कोटवार के माध्यम से सभी ग्राम पंचायतों में मुनादी कराएं और ग्रामीण खेलकूद के लिए विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों से समन्वय कर बच्चों को सूचित कर दें। उन्होने कहा कि जिला स्तर का आयोजन मुख्यालय बैकुण्ठपुर के ग्राम पंचायत में किया जाना है इसके लिए जनपद पंचायत सीइओ स्वयं स्थल चयन कर आवश्यक तैयारियां पूर्व से ही कर लें। इस बैठक में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कृषि विभाग, पशु पालन विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जिला पंचायत के मंथन कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुणाल दुदावत ने सभी जनपदों में स्वच्छ भारत मिषन के तहत हो रहे सभी कार्यों की ब्लाकवार समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देषित करते

हुए उन्होने कहा कि छूटे हुए पात्र हितग्राहियों के व्यक्तिगत शौचालय निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करें। इसके साथ ही उनहोने सामुदायिक शौचालयों के निर्माण की प्रगति धीमी होने के कारण मनेन्द्रगढ़ के अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होने सामुदायिक शौचालयों के साथ बनी दुकानों को जल्द से जल्द नीलाम करने व नीलाम हो चुकी दुकानों के नियमित संचालन कराने के निर्देश भी दिए। पर्यटन केंद्रों में बन रहे सामुदायिक शौचालयों के साथ ही अलग अलग ग्राम पंचायतों में स्वीकृत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र के निर्माण में प्रगति लाने के साथ ही उन्होंने व्यक्तिगत शौचालयों के जिओ टैगिंग कार्य को भी एक सप्ताह में अनिवार्य रूप से पूरा कराने के निर्देश दिए। गोधन न्याय योजना की समीक्षा करते हुए उन्होने सभी गौठानों में नियमित ढंग से गोबर खरीदी कराने के निर्देश दिए। खाली टांको की भराई और वर्मी बन चुके टांकों से छनाई के कार्य को नियमित कराने के निर्देश दिए। श्री दुदावत ने सुपर कंपोस्ट, वर्मी कंपोस्ट आदि के उठाव के संबंध में उप संचालक कृषि को आवश्यक निर्देश देकर एक सप्ताह में यह कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। जिले के दौ गौठानों में गौ मूत्र खरीदी के लिए आवश्यक तैयारी की जानकारी लेते हुए उनहोने इस प्रक्रिया से जुड़े सभी संबंधितों को अच्छी तरह से प्रषिक्षित कराने के निर्देश दिए। गोधन न्याय योजना के प्रभारी अधिकारी को उन्होंने आजीविका संबंधी गतिविधियों की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होने चारागाह की प्रगति व महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत स्वीकृत और प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी ग्राम पंचायतों में आवश्यकता के अनुसार कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधितों को जनकपुर विकासखण्ड में मनरेगा के तहत सहयोगी संस्थान बीआरएलएफ के प्रस्तावित कार्यों के स्वीकृति हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

### छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के पांच दिवसीय हताल प्रारंभ होने से

## सरकारी काम काज हुआ ठप्प

-नगर संवाददाता-
**कोरबा,25 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।**

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने अपनी लंबित 2 सूत्रीय मांग 34व महंगाई भत्ता एवं सातवें वेतन के अनुरूप गृह भाड़ा भत्ता को लेकर जिला स्तरीय पांच दिवसीय हड़ताल को सोमवार से प्रारंभ किया गया । जिले में कार्यरत तमाम कर्मचारी अधिकारियों ने हड़ताल में शामिल होकर अपनी मांग पूरी करने के लिए आवाज बुलंद की है। इस हड़ताल को सभी शिक्षकों, शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों ने भी अपना समर्थन दिया है। सरकारी स्कूलों में ताला लग गया है। बच्चे स्कूल नहीं आ रहे तो मध्यान भोजन भी बंद किया गया है। कलेक्ट्रेट से लेकर तहसील, एसडीएम कार्यालय, नगर पालिक निगम के प्रशासनिक भवन साकेत,नगरीय निकायों, जनपद, जिला पंचायत सहित सभी सरकारी दफ्तरों में ताला लग गया । स्वास्थ्य कर्मी भी हड़ताल में चले गए । कर्मचारी अपनी आवाज बुलंद किये हैं। हड़ताल की वजह से अपने कामकाज के संबंध में मुख्यालय पहुंचने वालों को खाली हाथ वापस लौटना पड़।

### सरकारी स्कूलों की पढाई भी हुई प्रभावित

अधिकारी-कर्मचारियों ने इस आंदोलन को अपना सहयोग तो दिया है. साथ ही साथ संविदा में काम करने वाले लोगों का भी समर्थन हासिल किया गया है, जिससे वह भी काम पर नहीं गए। जो कर्मचारी काम पर गया उसे भी समर्थन का हवाला देकर धरना स्थल में लाया गया है। तानसेन चौक के निकट सैकड़ों की संख्या में अधिकारी कर्मचारी अपनी आवाज बुलंद किये हैं। हड़ताल की वजह से अपने कामकाज के संबंध में मुख्यालय पहुंचने वालों को खाली हाथ वापस लौटना पड़। विद्यालयों,कॉलेजों में प्रवेश का दौर भी चल रहा है, जिसमें प्रयास आवासीय विद्यालय के लिए प्रवेश हेतु 27 जुलाई के अंतिम तिथि तय की गई है। प्रवेश के सिलसिले में आवेदन लेकर पहुंचे विद्यार्थियों को वापस लौटना पड़ा। इसके अलावा जाति, निवास, आमदनी बनाने का काम भी ठप हो गया है। विद्यार्थियों को स्कूलों में इन प्रमाण पत्रों को प्रस्तुत करने की आवश्यकता है, लेकिन वह भी बैरंग लौटे । फेडरेशन ने कहा कि 5 दिनों में अगर मांग पूरी नहीं की गई तो आने वाले समय में इसे और भी उग्र किया जाएगा। जिला मुख्यालय में केआर डहरिया जिला संयोजक, जेपी खरे कार्यकारी संयोजक, तरुण राठौर महासचिव, प्यारेलाल चौधरी संरक्षक,ओम प्रकाश बघेल जिला प्रवक्ता, एसके द्विवेदी ,संतोष शुक्ला, रामचंद्र नामदेव, नित्यानंद यादव, मान सिंह राठिया, विनोद कुमार सांडे, हरीराम पटेल, नोहर चंद्रा, मुकुंद केशव उपाध्याय, तरुण प्रकाश वैष्णव, चंद्रशेखर शर्मा, बल्लभ दास वैष्णव, सर्व शिक्षक संघ के प्रदेश महासचिव विपिन यादव आदि नेतृत्व कर रहे हैं।

## कलेक्टर ने शपथ ग्रहण कार्यक्रम में नवनियुक्त एल्डरमेनों को दिलाई शपथ

-नगर संवाददाता-
**कोरबा,25 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।**

कलेक्टर संजीव कुमार झा ने शपथ ग्रहण कार्यक्रम में नगर निगम कोरबा के 03 नवनियुक्त एल्डरमेनों को शपथ ग्रहण कराया ढ्ढ इस मौके पर महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्यामसुंदर सोनी, आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय के साथ ही अन्य जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे। राज्य शासन द्वारा नगर पालिक निगम कोरबा में अभिनय तिवारी (मुन्ना), रामगोपाल यादव एवं श्रीमती रेखा त्रिपाठी को एल्डरमैन नामांकित किया गया है। कलेक्टर कार्यालय स्थित कलेक्टर कक्ष में

कलेक्टर संजीव कुमार झा ने इन तीनों नवनियुक्त एल्डरमेनों को शपथ ग्रहण कराया। इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण अध्यक्ष व पार्षद सुरेन्द्र जायसवाल, जिला कांग्रेस कमेटी की शहर अध्यक्ष व एम.आई.सी.सदस्य सपना चौहान, ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं एम.आई.सी.सदस्य संतोष राठौर, मेयर इन काउंसिल सदस्य कृपाराम साहू, पूर्व नेता प्रतिपक्ष मुकेश राठौर, उपायुक्त एवं निगम सचिव पवन वर्मा, ममता अग्रवाल, एस.के.त्रिपाठी, रामकुमार चन्द्रा, यशवंत चौहान, संजय अग्रवाल, नवल पंडित, ईस खान आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

**न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202207020700026**

**विषयः- अ-27 मामले की श्रेणी-राजस्व सनः- 2021-2022**

**मुड़ेसा प .ह.न. 00030 (हे0)**
**पक्षकारों का विवरण-**
**आवेदक पक्षकार-गंगा राम,**
**अनावेदक पक्षकार- चमन राम**

**ईश्तहार**

आवेदक गंगाराम आ0 स्व0 जयमंगल व अन्य निवासी ग्राम मुड़ेसा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम मुड़ेसा स्थित कुल खसरा नंबर 37 कुल रकबा 5.379 हे0 भूमि का आवेदकगण तथा अनावेदकगण के मध्य 1/3 हिस्सा में बराबर-बराबर कब्जा कास्त एवं अंश के अनुसार खाता विभाजन किए जाने बाबत आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05.08.2022 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/07/2022 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
सील सरगुजा (अम्बिकापुर)

## केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी की अंजली,आयुष और रितिका ने किया टॉप

-रवि सिंह-
**बैकुण्ठपुर 25 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।**

बीते दिवस केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई द्वारा 12वीं एवं 10वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित किये गये। केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी कक्षा 12 वीं का परीक्षा परिणाम 95.71 एवं कक्षा 10 वीं का परिणाम 92.50 रहा । विद्यालय में विज्ञान संकाय की छात्रा कुमारी अंजलि खोड़ियार ने 93.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर 12 वीं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। तनिष्क जैन एवं प्रखर द्विवेदी ने 86.33 एवं 85.17 प्रतिशत अंक पाकर संयुक्त रूप से द्वितीय तथा 82.83 प्रतिशत अंको से संतोष भगत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। वाणिज्य संकाय में छात्र आयुष कुमार सिंह ने 88.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। 82.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तनिष्क कुमार ने द्वितीय एवं आयुष कुमार बसंतिया ने 78.17 प्रतिशत अंक लाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 10 वीं में छात्रा रितिका केशरी ने 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। 92.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर आशु जायसवाल ने द्वितीय एवं भास्कर ने 90.6 प्रतिशत अंक लाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के परीक्षा परिणामों पर प्रभारी प्राचार्य संतोष कुमार ने समस्त शिक्षको को साधुवाद देते हुए विद्यार्थियों को उत्कृष्ट परिणाम के लिए शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

## श्रीराम ज्वेलर्स का संचालक दिनदहाड़े डेढ़ लाख रूपए की उठाईगिरी का हुआ शिकार

-नगर संवाददाता-
**सूरजपुर ,25 जुलाई 2022 (घटती-घटना)।**

सोमवार को रामानुजनगर के मेन मार्केट में दिनदहाड़े श्रीराम ज्वेलर्स का संचालक डेढ़ लाख रुपए से अधिक लागत के 6 नग सोने के मंगलसूत्र की उठाई गिरी का शिकार हो गया। ग्राहक बनकर जेवरात खरीदने पहुंचे मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने उठाईगिरी की वारदात को अंजाम दिया। तत्काल एक्शन में आई पुलिस ने नाकाबंदी कर सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश तेज कर दी है। दिनदहाड़े घटित वारदात से व्यवसायियों में सनसनी फैल गई हैघटना सोमवार दिन 11.30 बजे की है। बताया गया कि काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल से दो युवक रामानुजनगर ग्राम स्थित श्री राम ज्वेलर्स पहुंचे। उन्होंने दुकान संचालक रितिक सोनी से जेवरात दिखाने को कहा। उन्होंने जेवरात देखने के बाद 14 सौ रुपए में एक चांदी का लॉकेट भी खरीदा। उसके बाद उन्होंने दुकानदार को बातों में उलझा कर दुकान के काउंटर में प्लास्टिक के पैकेट में रखे 30 से 35 ग्राम वजनी 6 नग सोने के मंगलसूत्र की उठाईगिरी कर ली। जब तक दुकान संचालक कुछ समझ पाता, तब तक उठाईगिरी करने वाले दोनों युवक पल्सर मोटरसाइकिल में भाग निकले। दुकान संचालक रितिक सोनी ने तत्काल घटना की सूचना रामानुजनगर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही एसडीओपी प्रकाश सोनी समेत पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तत्काल चारों तरफ नाकेबंदी कर आरोपितों की तलाश प्रारंभ कर दी। सोमवार शाम 6 बजे तक आरोपितों का पता नहीं चल सका है।

**साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड**
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)

**सूचना**

एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाऐं एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in,कोल इण्डिया के ई–प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है।

जी नंबर–33318/1

## महिला क्रिकेट के लिये महत्वपूर्ण हैं राष्ट्रमंडल जैसे आयोजनःहरमनप्रीत

**मुंबई, 25 जुलाई 2022।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2022 से पहले कहा कि इस तरह के आयोजन महिला क्रिकेट के लिये महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। हरमनप्रीत ने एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, एक क्रिकेटर के रूप में हम ज्यादा मैच खेलना चाहते हैं। जब भी आप किसी बड़े आयोजन में जाते हैं तो आपके लिये आपके लिये अच्छा प्रदर्शन करना महत्वपूर्ण हो जाता है।

उन्होंने कहा, बिल्कुल, अगर हमें ऐसे आयोजनों में खेलने का मौका मिले तो यह महिला क्रिकेट के लिये अच्छा है। महिला क्रिकेट को बहु-राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शामिल करना गेम-चेंजर हो सकता है।

बर्मिंघम में 28 जुलाई से शुरू होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का पहला मैच ग्रुप ए में महिला टी20 विश्व कप विजेता ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। इसके दो दिन बाद उनका सामना चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा, जिसके बाद वह तीन अगस्त को ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच में बारबाडोस के खिलाफ खेलेंगे। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मैच छह अगस्त को खेले जाएंगे जबकि स्वर्ण और रजत पदक मुकाबले सात अगस्त को खेले जाएंगे। सभी मुकाबले एजबेस्टन में आयोजित होंगे।

हरमनप्रीत ने कहा कि टीम पहली बार आयोजन में हिस्सा लेते हुए पोडियम पर जगह बनाना चाहेगी। उन्होंने कहा, यह आयोजन हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण है। हम इस बार पदक के लिये खेल रहे हैं। अगर मैं अपने बारे में बात करूं तो हम इस तरह के आयोजन देखते हुए बड़े हुए हैं और इस बार हम इस आयोजन का हिस्सा बनकर बहुत खुश हैं। मेरा मानना है कि अगर भविष्य में हमें इस तरह के अवसर मिलते रहे तो हमारे लिये अद्भुत होगा।

# भारतीय टेबल टेनिस टीम के लिए आसान नहीं होगा बर्मिंघम में गोल्ड कोस्ट की बराबरी करना

**लंदन 25 जुलाई 2022।** पिछली बार गोल्ड कोस्ट में नई ऊंचाइयां हासिल करने वाली भारतीय टेबल टेनिस टीम यदि बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 2018 की बराबरी भी कर लेती है तो यह उसके लिए बड़ी उपलब्धि होगी। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे। इनमें से दो स्वर्ण सहित आधे पदक मनिका बत्रा ने जीते थे जिसके बाद उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ गई थी।

दिल्ली की रहने वाली इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने सिंगापुर की ओलंपिक पदक विजेता फेंग तियानवेइ को एक बार नहीं बल्कि दो बार हराकर भारत को व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक दिलाया था। सिंगापुर की 35 वर्षीय खिलाड़ी अब बर्मिंघम में मनिका से बदला लेने के लिए तत्पर होंगी। भारतीय महिला टीम इस समय थोड़ा बदली हुई नजर आएगी। विश्व में 41वीं रैंकिंग की मनिका के साथ श्रीजा अकुला, रीत ऋत्य और दिया चिताले भारतीय चुनौती पेश करेंगी। अपने पांचवें और आखिरी राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले रहे भारत के सर्वश्रेष्ठ टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल, सदाबहार जी साथियान, हरमीत देसाई और सानिल शेट्टी भारतीय पुरुष टीम की चुनौती पेश करेंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों से पहले भारतीय खिलाड़ियों ने पुर्तगाल में अभ्यास किया और उसके बाद हंगरी में प्रतियोगिता में भाग लिया। भारतीय टेबल टेनिस टीम का गठन करना आसान नहीं रहा क्योंकि तीन खिलाड़ियों ने चयन नहीं होने पर अदालत का दरवाजा खटखटा दिया था। इनमें से केवल चिताले को ही फायदा हुआ जिन्हें अर्चना कामत की जगह टीम में लिया गया। कामत खेलों में मनिका के साथ युगल जोड़ी बना सकती थी। चार सदस्यीय पुरुष दल में वही खिलाड़ी शामिल है जिन्होंने गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया था। इन खिलाड़ियों को काफी अनुभव है और उम्मीद की जा रही है कि वह टीम खिताब का बचाव करने में सफल रहेंगे। भारत को टीम स्पर्धा में इंग्लैंड और नाइजीरिया के बाद तीसरी वरीयता मिली है। एकल में आखिरी बार 2006 में मेलबर्न में स्वर्ण पदक जीतने वाले 40 वर्षीय शरत ने कहा, ''इंग्लैंड की टीम नाइजीरिया की तुलना में थोड़ा मजबूत है। हमारा लक्ष्य निश्चित तौर पर व्यक्तिगत के अलावा टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतना है।''

नाइजीरिया की टीम में विश्व के 12वें नंबर की खिलाड़ी अरुणा कादरी हैं जबकि इंग्लैंड की टीम में लियाम पिचफोर्ड और अनुभवी पाल ड्रिंकहाल हैं। भारतीयों के पास हालांकि सभी स्पर्धाओं में पदक जीतने के मौके रहेंगे। भारत ने गोल्ड कोस्ट में मिश्रित युगल और युगल में स्वर्ण पदक नहीं लेकिन कुल चार पदक जीते थे और इस बार भी इसी तरह के परिणाम की उम्मीद है। शरत और मनिका के अलावा साथियान भी पुरुष युगल और मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक के दावेदार हैं। भारतीय टीम इस प्रकार हैः पुरुषः शरत कमल, जी साथियान, हरमीत देसाई, सानिल शेट्टी। महिलाः मनिका बत्रा, रीत ऋत्य, श्रीजा अकुला, दीया चिताले।

## न्यूज़ीलैंड की टीम में केन विलियम्सन की वापसी,वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेंगे सीरीज

**वेलिंगटन , 25 जुलाई 2022।** केन विलियमसन की अगुवाई में न्यूज़ीलैंड की टीम आठ साल में वेस्टइंडीज के अपने पहले दौरे पर जाएगी। वेस्टइंडीज की टीम 10 से 21 अगस्त तक होने वाले इस दौरे में तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी20 मैच खेलेगी। विलियमसन ने विश्राम के बाद टीम में वापसी की है। बल्लेबाज टॉम लैथम और डेवोन कॉनवे तथा तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी ने भी विश्राम के बाद वापसी की है। वेस्टइंडीज का दौरा न्यूज़ीलैंड के लिए काफी अहम है क्योंकि इससे वह टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम की तैयारियों का आकलन करना चाहेगा। न्यूज़ीलैंड ने इससे पहले आखिरी बार 2014 में वेस्टइंडीज

का दौरा किया था। टीम इस प्रकार हैः केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मार्टिन गप्टिल, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउदी।

## महेंद्र सिंह धोनी को बड़ा झटका, सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया

**नई दिल्ली,25 जुलाई 2022।** टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को सुप्रीम कोर्ट की ओर से नोटिस जारी किया गया है. आम्रपाली ग्रुप और एमएस धोनी के बीच लेनदेन का एक मामला चल रहा है, जिसको लेकर सर्वोच्च अदालत में सुनवाई हुई थी. एमएस धोनी को आम्रपाली ग्रुप की तरफ से 150 करोड़ रुपये का बकाया लेना है, दूसरी ओर ग्रुप के ग्राहकों को उनके फ्लैट्स नहीं मिल रहे हैं ऐसे में यह मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गया है. आम्रपाली ग्रुप और महेंद्र सिंह धोनी से जुड़ा यह केस पहले दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहा था, जहां पर हाईकोर्ट ने एक कमेटी का गठन किया था. रिटायर्ड जस्टिस वीणा बीरबल की अगुवाई में बनी इस कमेटी के जिम्मे मामले को सुलझाने का काम था. जब कमेटी का गठन किया गया, उसके बाद ही पीड़ितों द्वारा इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में उठाया गया था. सर्वोच्च अदालत में हुई सुनवाई के दौरान पीड़ितों की ओर से यह तर्क दिया गया है कि आम्रपाली ग्रुप के पास फंड की कमी है, इसलिए उनके द्वारा बुक करवाए हुए फ्लैट नहीं मिल पा रहे हैं. पीड़ितों का कहना है कि दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा जिस कमेटी का गठन किया गया है, उसके सामने महेंद्र सिंह धोनी अपने बकाए 150 करोड़ रुपये का मामला ले गए हैं. महेंद्र सिंह धोनी आम्रपाली ग्रुप के ब्रांड एंबेसडर थे, इसके ही उन्हें 150 करोड़ रुपये मिलने हैं. अब पीड़ितों की ओर से तर्क दिया गया है कि अगर आम्रपाली ग्रुप एमएस धोनी के बकाये को देने में पैसे खर्च करेगा तो उनके फ्लैट नहीं मिल पाएंगे.

## मिताली राज ने वापसी के दिए संकेत,पिछले महीने ही की थी संन्यास की घोषणा

**नई दिल्ली,25 जुलाई 2022।** पिछले महीने ही क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा करने वालीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्लेयर मिताली राज ने वापसी के संकेत दिए हैं। आईसीसी के नए पॉडकास्ट के एक एपिसोड में बात करते हुए मिताली राज ने कहा कि वो महिला आईपीएल के उद्घाटन सीजन में खेलने के लिए संन्यास वापस लेने पर विचार कर सकती हैं। आपको बता दें कि मिताली राज इस एपिसोड में इंग्लैंड की स्टार खिलाड़ी ईसा गुहा और न्यूजीलैंड की ऑफ स्पिनर फ्रेंकी मैकाय के साथ बातचीत कर रही थीं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोस्ट अवेटेड महिला आईपीएल का पहला सीजन अगले साल शुरू होने की उम्मीद है। ऐसे में इस सीजन में खेलने के लिए मिताली राज ने इच्छा जाहिर की है। उन्होंने कहा है, %मैं संन्यास को वापस लेने के विकल्प पर भी विचार कर रही हूं, हालांकि अभी फैसला नहीं किया है। महिला आईपीएल का हिस्सा बनना वाकई बहुत ही शानदार होगा।÷मिताली राज ने पिछले महीने ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। 23 साल लंबे करियर में उन्होंने कुल 232 वनडे मैच खेले थे, जिसमें उनके नाम 7805 रन थे। मिताली राज ने 1999 में डेब्यू किया था। मिताली राज ने कहा कि मैंने सोचा था कि रिटायरमेंट के बाद मेरी जीवन शैली धीमी हो जाएगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। मिताली राज ने कहा कि मेरी जीवनशैली में कोई बदलाव नहीं आया है। बता दें कि मिताली राज के जीवन पर बनी फिल्म शाबाश मिट्ठू इसी महीने बड़े पर्दे पर आई है, जिसमें तापसी पन्नू ने मिताली राज का किरदार निभाया है। मिताली फिल्म के प्रचार-प्रसार में भी जुटी हैं।

## एनिमल की शूटिंग की वजह से दिल्ली जाने के लिए उत्साहित रश्मिका मंदाना

पुष्पाः द राइज की श्रीवल्ली के नाम से मशहूर रश्मिका मंदाना इन दिनों कई सारे प्रोजेक्ट में बिजी हैं, ऐसे में इन दिनों अभिनेत्री रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल की शूटिंग के लिए दिल्ली जा रही हैं, जिसके लिए रश्मिका काफी खुश हैं। अभिनेत्री के एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया कि यह पहली बार है जब रश्मिका एनिमल की शूटिंग और अन्य कार्य प्रतिबद्धताओं के लिए दिल्ली आ रही हैं।

वह शूटिंग के लिए और शहर का पता लगाने और अपने प्रशंसकों से मिलने के लिए बहुत उत्साहित हैं। उसका व्यस्त कार्यक्रम, वह कभी दिल्ली नहीं जा सकती थी, लेकिन अब वह शूटिंग के लिए वहां जाएगी और उसके प्रशंसक उसे राजधानी शहर में लाने के लिए समान रूप से उत्साहित होंगे।सूत्र ने आगे कहा, रश्मिका 26 तारीख को दिल्ली की यात्रा करेंगी और कुछ दिनों के लिए वहां होंगी। रणबीर कपूर स्टारर एनिमल के अलावा, रश्मिका अमिताभ बच्चन के साथ अलविदा के साथ बॉलीवुड में अपनी बहुप्रतीक्षित शुरूआत करेंगी। इसके अलावा रश्मिका पुष्पा का सीक्वल में भी नजर आएंगी। वहीं दूसरी तरफ सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मिशन मजनू और विजय थलापट्टी के साथ वरिसु में दिखाई देंगी।

## मेजर ने बॉक्स ऑफिस पर 50 दिन पूरे किए

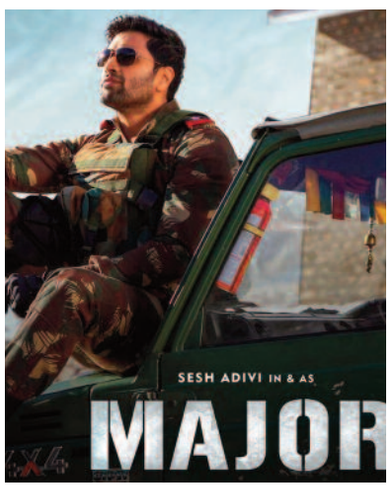


अदिवी शेष-स्टारर और जीवनी पर आधारित एक्शन ड्रामा मेजर ने देश भर में दिल जीतते हुए बॉक्स ऑफिस पर 50 दिन पूरे कर लिए हैं और दुनिया भर में 70.25 करोड़ रुपये की कमाई की है। 2008 में मुंबई में 26/11 के आतंकी हमलों के दौरान सेवा में अपनी जान गंवाने वाले मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के जीवन पर आधारित फिल्म दर्शकों को पसंद आई और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

फिल्म के 50 दिनों तक चलने का जश्न मनाने के लिए, अदिवी ने ट्विटर पर एक प्यारा सा नोट लिखाः मेरी सबसे सफल फिल्म। मेरी सबसे सार्थक फिल्म। मेजर संदीप उन्नीकृष्णन सर ने हमें आशीर्वाद दिया है।

अभिनेता ने कहा, मेजर संदीप उन्नीकृष्णन की भूमिका निभाना मेरे लिए सम्मान की बात थी और मैं आभारी हूं कि लोगों ने मुझे प्यार किया और फिल्म और मुझे इतना प्यार दिया।

अदिवी ने अपनी हिंदी फिल्म की शुरूआत मेजर से की, जिसके लिए उन्होंने कहानी और पटकथा भी लिखी।

## प्रभास, दीपिका पादुकोण अभिनीत नाग अश्विन की प्रोजेक्ट के अपने अंतिम चरण में

अभिनेता प्रभास के प्रशंसकों का अच्छा समय चल रहा है क्योंकि प्रोजेक्ट के की शूटिंग तेजी से हो रही है। सुपरस्टार ने हाल ही में हैदराबाद में अपनी आने वाली फिल्म प्रोजेक्ट के का एक और शेड्यूल पूरा किया है। अभिनेता के एक करीबी सूत्र ने खुलासा किया, प्रभास ने अब हैदराबाद में प्रोजेक्ट के का एक और शेड्यूल पूरा कर लिया है।

शेड्यूल लगभग एक सप्ताह लंबा था, जिसे 21 जुलाई को रामोजी फिल्म सिटी में शूट किया गया था।फिल्म का निर्देशन नाग अश्विन ने किया है और इसमें मुख्य भूमिका में दीपिका पादुकोण भी हैं। सूत्र ने आगे कहा, इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रभास के एकल दृश्य और दीपिका के साथ भी कुछ दृश्य शामिल थे। इस कार्यक्रम के साथ, प्रभास ने बहुप्रतीक्षित फिल्म का बड़ा हिस्सा पूरा कर लिया है।प्रोजेक्ट के के अलावा, बाहुबली स्टार के पास चार अन्य अखिल भारतीय फिल्में हैं। इनमें श्रुति हसन के साथ सालार और कृति सेनन और सैफ अली खान के साथ आदिपुरुष शामिल हैं।

## गंदी बात फेम अन्वैषी जैन ने शेयर की बोल्ड फोटो

एकता कपूर की वेबसीरीज़ गंदी बात फेम अन्वैषी जैन ने इंस्टाग्राम पर नई फोटो शेयर की है. इस तस्वीर में वो अपने किलर लुक से तहलका मचा रही है. अन्वैषी का की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है. एक्ट्रेस अन्वैषी हर लुक में कहर ढाती हैं. उन्होंने कई तस्वीरों में अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट किया है. एक्ट्रेस का इंस्टाग्राम अकाउंट बोल्ड तस्वीरों से भरा हुआ है. अन्वैषी के अंदाज के लोग इतने दीवाने हैं कि सोशल मीडिया पर उनके नाम से कई फैन पेज बन गए हैं, जहां उनकी तस्वीरें शेयर की जाती हैं.

हॉटनेस के मामले में अन्वैषी जैन बॉलीवुड हसीनाओं को भी टक्कर देती हैं और इसका

सबूत है उनकी तस्वीरें, जो इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं. फेमस वेब सीरीज गंदी बात से लाइम लाइट में आई एक्ट्रेस अन्वैषी जैन अन्वैषी ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनके घर में पहनावे को लेकर. रहन-सहन को लेकर काफी रेस्ट्रीक्शन थे. ये नहीं पहनना. वो नहीं पहनना. सिर्फ सलवार सूट पहनो. लेकिन टॉम ब्वॉय की तरह थी. बाल भी मैंने वैसे ही कटा रखे थे. लड़के जब घूर कर देखते थे तो मन करता था कि उन्हें पकड़कर पीट दूं.

कई बार मुझे लगता था कि काश मैं लड़का होती. अन्वैषी ने स्वीकार किया कि जिस फिगर की वजह से उनमें हीन भावना थी उसी की वजह से इंडस्ट्री में एक्ट्रेस को काम मिला.

## शेफाली शाह की 'दिल्ली क्राइम 2' का टीजर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री शेफाली शाह और रसिका दुग्गल स्टारर वेबसीरीज 'दिल्ली क्राइम 2' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। दिल्ली क्राइम ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की चर्चित वेब सीरीज है। पहले सीजन की आपार सफलता के बाद मेकर्स इसके दूसरे सीजन की तैयारी कर रहे हैं। 'दिल्ली क्राइम 2' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। दिल्ली क्राइम के सीजन 2 में शेफाली शाह, रसिका दुग्गल और राजेश तेलांग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आयेंगे। दिल्ली क्राइम 2 के टीजर में शेफाली शाह इस बार क्राइम से परेशान होते हुए दिख रही हैं। टीजर में शेफाली दिल्ली में अमीर और गरीब तबके में रहने वालों के बारे में बात करती हुई नजर आ रही हैं। टीजर में शेफाली पर उनके डिपार्टमेंट से कुछ इल्जाम भी लगते हुए दिख रहे हैं। वहीं, परेशान शेफाली क्राइम के खत्म न होने पर अपनी निराशा भी जताते हुए नजर आईं। दिल्ली क्राइम 2 नेटफ्लिक्स पर इस साल 26 अगस्त को स्ट्रीम होगी।

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद कलर्स टीवी पर अपना शो कुबेरंस हाउस लेकर आ रहे हैं। सोनू सूद अपना टीवी शो लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम कुबेरंस हाउस है। इस शो के जरिए सोनू सूद अपने फैंस के सपनों को पूरा करेंगे। सोनू सूद ने अपने इस नए टीवी शो का फर्स्ट लुक शेयर किया है, जिसमें वह ब्लू कोट में नजर आ रहे हैं। इसके साथ सोनू ने ब्लैक चश्मा लगाया है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए सोनू ने लिखा, 'तुम सपने देखो और मैं उन्हें पूरे करूंगा। कुबेरंस हाउस जल्द कलर्स पर आ रहा है।

# सदन में गूंजा रेडी-टू-ईट फूड की आपूर्ति का मुद्दा,जोरदार हंगामे के साथ विपक्ष ने की मांग

**रायपुर,25 जुलाई 2022।** छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में सोमवार को भी काफी गहमागहमी देखने को मिली। सदन में आंगनबाड़ी केंद्रों पर रेडी टू ईट फूड की आपूर्ति का मामला गूंजा, जिसे लेकर जोरदार हंगामा हो गया।

सदन में मामला उठाते हुए विपक्ष ने आरोप लगाया कि रेडी टू ईट की सप्लाई में भी अब माफिया घुस गए हैं। भाजपा विधायकों ने पूरे मामले की जांच की मांग की। मानसून सत्र के चौथे दिन भाजपा विधायक सौरभ सिंह ने रेडी टू ईट का मामला उठाया।

विधायक ने कहा, आंगनबाड़ी केंद्रों में अप्रैल महीने में रेडी टू ईट की सप्लाई नहीं हुई। जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया ने कहा, महिला स्व-सहायता समूह की हाईकोर्ट में लगी याचिका की वजह से सप्लाई नहीं हो सकी। विधायक सौरभ सिंह ने पूछा- हाईकोर्ट ने ये भी आदेश दिया

था कि जिन-जिन समूहों का अनुबंध खत्म नहीं हुआ है उनकी सप्लाई जारी रहेगी। इसके बाद विपक्ष आक्रामक हो गया।

नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा, रेडी टू ईट फूड की सप्लाई में भी अब माफिया घुस गए हैं। विपक्ष ने इस पूरे मामले की विधानसभा की कमेटी से जांच की मांग की। सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री रविंद्र चौबे ने कहा, अगर जांच की आवश्यकता होगी आगे निर्णय लिया जाएगा।

## सदन में उठा रोहिंग्या को बसाने और जमीन अतिक्रमण का मुद्दा

**रायपुर।** विशेष संवाददाता टीआरपी विधानसभा में ध्यानाकर्षण सुचना के दौरान भू माफिया द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जे का पुरजोर विरोध करते हुए जांच और रिकार्ड की मांग विपक्ष ने की है। प्रदेशभर समेत राजधानी में अतिक्रमण और कब्जेधारियों के मामले में शह देने का आरोप लगते हुए राजस्व रिकार्ड की मांग की। विपक्ष ने कितनी जमीन पर कब्जा हुआ इसका रिकार्ड पूछते हुए बृजमोहन ने रायपुर में संतोषी नगर , गट्टी खदान में आयातित भूमि माफिया द्वारा कब्जा कराने का भी मुद्दा उठाया। पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मेरे पास नक्शा है जिसमें 100 फुट के गड्ढे को भर कर कब्जा कर लिया गया है। एक वर्ग के द्वारा यूपी बिहार से आ कर कब्जा कर लिए हैं। मेरे विधानसभा में 1000 से ज्यादा रोहिंग्या लोग आकर बस चुके है। सब कब्जे 2018 के बाद हुआ है राजस्व मंत्री ने इस मामले को दिखवा लेने की बात कही। पटवारियों के पास से रिकार्ड मांगा ले बृज अग्रवाल ने जांच की मांग की।

## कानून व्यवस्था की स्थिति पर गरमाया सदन

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में आज विपक्ष ने प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पर सरकार को जमकर घेरा। सदन में रायपुर में नाबालिग लड़की द्वारा चाकू मारकर हत्या की घटना सहित विभिन्न आपराधिक घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी नहीं है, बल्कि कानून व्यवस्था की स्थिति ही नहीं है। विपक्ष ने कानून व्यवस्था पर स्थगन प्रस्ताव रखा। जिस पर चर्चा के दौरान विपक्ष ने तीखे तेवर दिखाए। इसके बाद आसंदी ने स्थगन प्रस्ताव अग्राह्य कर दिया।

भाजपा सदस्य शिवरतन शर्मा ने शून्यकाल में कानून व्यवस्था की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि राजधानी रायपुर में एक नाबालिग लड़की ने मूक बधिर की हत्या की है। छत्तीसगढ़ हत्या के मामले में देश में चौथे स्थान पर है। देश के औसत से 1.28 प्रतिशत ज्यादा है। भाजपा सदस्य बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रायपुर का नाम अखबार में चाकूपुर लिखा जाने लगा है। दिल्ली में निर्भया कांड पर देश उबल गया। छत्तीसगढ़ में ऐसा कोई दिन नहीं है जब हत्या लूट बलात्कार नहीं हो रहा हो। उन्होंने कहा कि बलात्कार हत्या के मामलों की खबरों से अखबार भरे पड़े हैं। लगाम कसिए। आदिवासी क्षेत्रों तक में अपराध हो रहे हैं। इस पर चर्चा कराएं। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि क्या यही नवा छत्तीसगढ़ गढ़ रहे हैं। सरकार के संरक्षण में डीजल चोरी हो रही है। कोयला डीजल चोरी करने वाले कौन लोग हैं। अपराधी यूपी छोड़कर छत्तीसगढ़ का रहे हैं। यह शरणस्थली बन रहा है। आपराधिक घटनाओं पर समीक्षा बैठक होती हैं लेकिन अपराध पर नियंत्रण नहीं हो रहा। विपक्ष की ओर से ननकीराम कंवर, पुन्नूलाल मोहले, रजनीश सिंह, डमरूधर पुजारी, नारायण चंदेल, अजय चंद्राकर, रंजना साहू सहित अन्य सदस्यों ने कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त की।

### छत्तीसगढ़ राज्य आयोग का लोगो बनाएं और इनाम पाएं

**रायपुर, 25 जुलाई 2022।** छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग का प्रतीक चिन्ह (लोगो) तैयार किया जाएगा जिसके लिए व्यक्तियों, संस्थाओं और विद्यार्थियों से नमूना आमंत्रित किया गया है। प्रतीक चिन्ह के नमूने सी.डी. के माध्यम से अथवा आयोग के ई-मेल पर भेजी जा सकती है। सर्वश्रेष्ठ नमूना प्रस्तुत करने पर प्रथम पुरस्कार 3001 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 2001 रूपये तथा तृतीय पुरस्कार 1001 रूपये के साथ-साथ उन्हें प्रशस्ति पत्र आयोग द्वारा प्रदान किया जाएगा।

राज्य निर्वाचन आयोग के प्रतीक चिन्ह तैयार करने के लिए एक व्यक्ति, संस्था, विद्यार्थी से एक ही नमूना ग्राह्य होगा। नमूना का उपयोग करने के लिए आयोग स्वतंत्र होगा अर्थात् नमूने को यथावत् या संशोधन के साथ आयोग द्वारा उपयोग किया जाएगा। किसी भी स्थिति में कॉपीराइट का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। प्राप्त सभी नमूने राज्य निर्वाचन आयोग की संपदा हो जाएंगे। चयनित नमूनों को यथावत या संशोधन के साथ आयोग द्वारा उपयोग किया जा सकेगा। इन नमूनों का उपयोग प्रस्तुतकर्ता के द्वारा अन्यत्र नहीं किया जा सकेगा। किसी भी प्रकार की स्थिति में राज्य निर्वाचन आयोग का निर्णय अंतिम होगा। प्रविष्टि के साथ निर्धारित प्रपत्र में पृथक से जानकारी प्रस्तुत करना अनिवार्य है। प्रपत्र का नमूना आयोग के वेबसाइट www.cgsec.gov.in पर उपलब्ध है।

## अधीक्षिका और प्यून पर होगी कार्रवाई,नारी निकेतन की बेसहारा महिलाओं ने लगाया गंभीर आरोप

**दंतेवाड़ा, 25 जुलाई 2022।** दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय में अनाथ, अविवाहित, विधवा, प्रताड़ित और बेसहारा महिलाओं को आश्रय देने के लिए चलने वाली नारी निकेतन प्रताड़ना सेंटर में तब्दील हो गया है। संस्था का प्रभार संभाल रही अधीक्षिका और प्यून की प्रताड़ना का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में प्यून एक अशक्त महिला से महारानी स्टाइल में अपने पैरों को दबवाती नजर आ रही है। साथ ही वह नारी निकेतन में शरण लेने वाली मजबूर महिलाओं को डरा-धमका रही है। वीडियो में वह

महिलाओं की मजबूरी का फायदा उठाते हुए साफ तौर पर देखी जा रही है।

उल्लेखनीय है कि नारी निकेतन दंतेवाड़ा में इस समय 12 निराश्रित महिलाओं निवासरत हैं। मगर नारी निकेतन की प्रभारी अधीक्षिका लगातार नारी निकेतन में रुकी महिलाओं से अपने घर के बर्तन, झाड़ू, पोंछा करवाती हैं और उनसे नौकरों जैसा काम करवाती हैं। स्वयं पीड़िताओ ने इस बात की जानकारी मीडिया को दी है। नारी निकेतन की शिकायत आई है। अधीक्षिका द्वारा काम करवाने की शिकायत दंतेवाड़ा कलेक्टर से पहले भी हुई है। मामले की जांच चल रही है।

## दर्दनाक हादसा : चलती ट्रेन में चढ़ते समय फिसला पैर,लोको पायलट की मौत,दो हिस्सों में बंटा शरीर

**दुर्ग, 25 जुलाई 2022।** छत्तीसगढ़ के दुर्ग से बेहद ही दर्दनाक खबर सामने आई है. यहां रेलवे स्टेशन में हुए हादसे में लोकों पायलट की मौत हो गई. लोकों पायलट चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था. इसी दौरान उसका पैर फिसला और वह ट्रेन के नीचे आ गया. जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

दुर्ग जीआरपी से मिली जानकारी के मुताबिक ट्रेन नंबर 12843 पुरी अहमदाबाद एक्सप्रेस दुर्ग रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 पर खड़ी थी. ट्रेन 10.38 पर आई और 10.45 बजे रवाना होना था. इस ट्रेन को लेकर लोको पायलट गुड्स

डोंगरगढ़ हीरालाल साहू को लेकर जाना था. सिग्नल मिलने पर ट्रेन स्टेशन से चल दी थी. लोको पायल हीरालाल दौड़ते-दौड़ते आया और चलती ट्रेन में चढ़ने लगा.

इसी दौरान उसका पैर स्लिप कर गया और वो ट्रेन के नीचे आ गया. उसके ऊपर से ट्रेन गजरने से उसका शरीर दो भागों में बंट गया. इससे वहां चीख पुकार मच गई. दुर्घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक के वर्मा, जीआरपी और मुख्य स्टेशन प्रबंधक वहां पहुंचे. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया.

## महंगाई भत्ते के लिए मंत्रालय के बाहर नारेबाजी, दफ्तरों में कामकाज ठप्प,स्कूलों में तालाबंदी

**रायपुर, 25 जुलाई 2022।** छत्तीसगढ़ में सरकारी कर्मचारी संगठन 25 जून सोमवार से 5 दिनों की हड़ताल पर चले गए हैं। सोमवार से शुरू हुई हड़ताल 29 जुलाई तक चलेगी। प्रदेश भर के 5 लाख से अधिक कर्मचारी महंगाई भत्ता और भाड़ा भत्ता की मांग के लिए यह आंदोलन कर रहे हैं। सावन के दूसरे सोमवार को शुरू हुए इस आंदोलन की वजह से प्रदेश के शिक्षकों ने शिवलिंग पर जल चढ़ा कर अपने-अपने शहरों में आंदोलन किया। कोई भी शिक्षक स्कूल नहीं पहुंचा बहुत सी जगहों पर शिक्षकों ने जिला शिक्षा

अधिकारी को सामूहिक अवकाश लेने का आवेदन भेज दिया है।

### मंत्रालय के बाहर नारेबाजी

नवा रायपुर स्थित मंत्रालय के बाहर भी कर्मचारी अपने दफ्तरों में नहीं पहुंचे गेट के पास खड़े होकर नारेबाजी करते दिखे। कर्मचारी संगठनों के नेता ने सभी कर्मचारियों से काम ना करने की अपील करते रहे।

मंत्रालय के बाहर महंगाई भत्ता देना होगा जैसे नारे कर्मचारी लगाते रहे। रायपुर के धरना स्थल में भी कर्मचारी प्रदर्शन करने पहुंचे हैं। फिलहाल अभी तक सरकार की ओर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आ पाई है।

## हाईप्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, 11 लड़कियां एवं दो दलाल गिरफ्तार

**रायपुर, 25 जुलाई 2022।** राजधानी के तेलीबांधा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर होटल हयात में दबिश देकर हाईप्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने होटल बड़े-बड़े शहरों के 11 लड़कियों एवं दो दलाल को गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा करते हुए एडिशनल एसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि कुछ दिनों से लगातार शहर के होटलों में देह व्यापार की शिकायत मिल रही थी। जिससे पुलिस ने अपने प्वाइंटर को नगदी रकम देकर दलाल विप्लव चौरडिया एवं पंकज गोयल नामक व्यक्ति से

होटल हयात में चल रहा था देह व्यापार का कारोबार

सौदा तय करने भेजा। सौदा तय हो जाने पर मौका देखकर पुलिस टीम को इशारा किया। जिससे पुलिस के टीम ने होटल में दबिश देकर होटल के अलग-अलग कमरो में कुछ लड़कियां बैठी थी। टीम ने दलाल से इस संबंध में कड़ाई से पूछताछ करने पर उसके द्वारा महिलाओं को बुलाकर देह व्यापार का कराना स्वीकार किया गया। जिससे देह व्यापार में शामिल 11 लड़कियों सहित दलाल विप्लव चौरडिया 34 वर्ष निवासी पचपेड़ीनाका एवं पंकज गोयल 29 वर्ष निवासी अवंति विहार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 14 नग मोबाइल एवं नकदी 8 हजार रुपए जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि ये सभी लड़कियां दल्ली, गुजरात, हरियाणा, मुम्बई, पंजाब सहित अन्य अलग-अलग राज्यों की निवासी है।

## भरी बारिश के बीच माओवादियों का उत्पात,जिओ केबल बिछाने के कार्य मे लगे तीन वाहनों को किया आग के हवाले

**बीजापुर, 25 जुलाई 2022।** जिले में एक ओर जहां बारिश ने कोहराम मचा रखा हैं, बारिश के इस कोहराम के बीच माओवादियों ने जमकर उत्पात मचाते हुए बीजापुर गंगालूर मार्ग पर स्थित पदेड़ा के पास तीन वाहनों में आगजनी की घटना को अंजाम देते हुए मजदूरों के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया

है, इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है ।

मिली जानकारी के अनुसार शाम 5 बजे के आसपास पदेडा के पास जिओ केबल बिछाने के कार्य मे लगे एक जेसीबी और दो पिकअप वाहनों को आग के हवाले कर दिया है । वहीं इस कार्य मे लगे मजदूरों के साथ मारपीट कीये जाने की खबर भी है , मार पीट किये जाने के बाद मजदूरों को छोड़ दिया गया है ।

## यौन उत्पीड़न के आरोप में टीचर गिरफ्तार,शिकायत के बाद से चल रहा था फरार

**महासमुंद, 25 जुलाई 2022।** स्कूली बच्चो से मालिश के नाम पर यौन उत्पीड़न करने वाले आरोपी आचार्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पालकों के द्वारा की गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने यह कार्यवाही की हैं। मिली जानकारी के अनुसार, खल्लारी थाना क्षेत्र के ग्राम कोसरंगी स्थित आर्ष ज्योति गुरुकुल में 38 वर्षीय कोमल वैष्णव पिता महेश वैष्णव आचार्य के पद पर पदस्थ हैं। वह सरायपाली थाना अंतर्गत केंदुधारा गांव का रहने वाला हैं। उसके द्वारा आश्रम में रहने वाले बच्चो को अपने कमरे में मालिश के नाम पर बुला उनका यौन उत्पीड़न किया जाता था। साथ ही घर मे किसी को न बताने को लेकर मारपीट भी की जाती थी।

बच्चे जब भी अपने परिजनों से फोन पर बात करते तब आरोपी

आचार्य उनके सामने बैठा रहता था। जिसके कारण बच्चे चाह कर भी अपने परिजनों को अपने साथ हो रहे कृत्य की जानकारी नही दे पाते थे। इसी बीच कुछ बच्चो के परिजन उनसे मिलने के लिये आश्रम पहुँचे। जिनके मोबाइल से अन्य बच्चो ने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी। जानकारी मिलने पर परिजनों द्वारा चाइल्ड लाइन व पुलिस से इसकी शिकायत की गई। शिकायत पर खल्लारी थाना ने महासमुंद एसपी भोजराज पटेल को अवगत करवाया और उनसे कार्यवाही के सम्बंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया। एसपी द्वारा त्वरित कार्यवाही का निर्देश मिलने के बाद आरोपी आचार्य कोमल वैष्णव के खिलाफ धारा 323,506, भादवि 6, 10 पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज कर खल्लारी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

# छत्तीसगढ़ में इस बार भी हरेली पर रहेगी धूम,सीएम हाउस में आयोजन की जोरदार तैयारी,मुख्यमंत्री बघेल यहां से करेंगे गोमूत्र खरीदी की शुरुआत

**रायपुर , 25 जुलाई 2022।** हरेली छत्तीसगढ़ी संस्कृति, कृषि संस्कृति, परम्परा, लोक पर्व एवं पर्यावरण की महत्ता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजधानी रायपुर स्थित निवास पर हर बार की तरह इस बार भी किसानों, बहनों एवं भाइयों के साथ हरेली का पर्व पारंपरिक एवं धूमधाम से मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री बघेल इस अवसर पर कृषि यंत्रों की पूजा भी करेंगे । हरेली पर्व को धूमधाम से मनाने के लिए मुख्यमंत्री निवास में तैयारियां जोर शोर से शुरू हो गई हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी लोक कलाकारों द्वारा सुआ, कर्मा, ददरिया और गेड़ी नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी तथा हरेली गीत भी गाए जाएंगे। छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जिन सार्वजनिक अवकाशों की घोषणा की है, उनमें हरेली त्यौहार भी शामिल है।

### गोमूत्र खरीदी का शुभारंभ

हरेली के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पाटन ब्लाक के गांव करसा से गोधन न्याय योजना का विस्तार करते हुए गोमूत्र खरीदी का शुभारंभ करेंगे। गांव के पशुपालक चार रुपए प्रति लीटर में गोमूत्र विक्रय कर सकेंगे। हरेली के मौके पर होने वाली इस खरीदी से प्रदेश के गौवंशपालकों को आर्थिक रूप से बड़ी मजबूती मिलेगी। अब तक किसान गोबर का विक्रय करते आये थे अब गोमूत्र भी बेचने से उनकी आय में इजाफा होने से पशुधन विकास के कार्य को बढ़ावा मिलेगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि कृषि के साथ पशुपालन का कार्य करने से किसान अपनी आय दोगुनी करने का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। इस मौके पर करसा में कृषि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया है। यहां नये कृषि उपकरणों की लांचिंग होगी। खेती किसानी के लिए उपयोगी कृषि प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। मुख्यमंत्री किसानों से खेती किसानी के बारे में बातचीत करेंगे और उनका सम्मान भी करेंगे। 20 जुलाई 2020 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हरेली पर्व के अवपर पर ही देश की अनूठी गोधन न्याय योजना की शुरूआत की थी।

### बैलगाड़ी से पहुंचेंगे पूजास्थल

मुख्यमंत्री हरेली पूजास्थल में बैलगाड़ी से पहुंचेंगे। वहां वे गौमाता की पूजा करेंगे। साथ ही परंपरागत रूप से कृषि उपकरणों की पूजा करेंगे। वे मशीन से पैरा काटेंगे और गायों को खिलाएंगे। हरेली के मौके पर गोवंश की पूजा होती है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल भी मुख्यमंत्री ने अपने निवास से बैलगाड़ी से निकले थे और सुंदर परंपरागत तरीके से हरेली का उत्सव मनाया था।

### नये कृषि उपकरणों की होगी लांचिंग

किसान सम्मेलन का खास आकर्षण नये कृषि उपकरणों की लांचिंग होगा। इसमें सबसे खास है एक ऐसा ड्रोन जिसके माध्यम से फर्टिलाइजर और कीटनाशक की समुचित मात्रा में काफी कम समय में छिड़काव हो सकेगा। इसके साथ ही कृषि के लिए उपयोगी अत्याधुनिक उपकरण भी डिस्प्ले के लिए लगाए जाएंगे। कृषि सम्मेलन में विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे जिनसे किसान आधुनिक तरीके से खेती के संबंध में और खेती में आई नई तकनीक के बारे में जानकारी ले सकेंगे।

### छत्तीसगढ़ी खेलों की होगी धूम

हरेली खेती का त्योहार है और साथ ही छत्तीसगढ़ में खेलों का सबसे बड़ा दिन। इस मौके पर छोटे बच्चे तो गेड़ी चढ़ते ही हैं बड़े बुजुर्ग भी गेड़ी चढ़ते हैं। इस दिन करसा में गेड़ी प्रतियोगिता भी होगी और इसके विजेताओं को सम्मानित भी किया जाएगा। इस मौके पर गेड़ी रेस, भौंरा, पिट्ठूल, कंचा, पतंग, गोली चम्मच, खोखो, रस्सा खींच, तिग्गा गोटी और गिल्ली डंडा जैसे खेलों का आयोजन भी किया जाएगा। प्रदेश के सभी स्कूलों में भी गेड़ी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

### खेती किसानी पर होगी चर्चा

हरेली का त्योहार अच्छी फसल की कामना के लिए सबसे खास त्योहार है। यह उत्सव का समय भी है और बेहतर खरीफ फसल के लिए विचारविमर्श कर योजना बनाने का भी। मुख्यमंत्री कृषक सम्मेलन में किसानों से बातचीत करेंगे। मुख्यमंत्री स्वयं किसान भी हैं इसलिए अपने अनुभव भी साझा करेंगे। साथ ही सरकार द्वारा किसानों के हित में आरंभ की गई योजनाओं की जानकारी भी देंगे। वे किसानों के अनुभव भी जानेंगे और उनसे चर्चा भी करेंगे।

### गोमूत्र खरीदी इसलिए

छत्तीसगढ़ सरकार जैविक खेती की ओर राज्य को ले जाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इसके लिए आवश्यक है कि गोवंश संवर्धन हो और इनका पालन किसानों के लिए उपयोगी हो। गोबर खरीदी के माध्यम से और इसके द्वारा वर्मी कंपोस्ट बनाकर जैविक खाद का बड़े पैमाने पर उत्पादन प्रदेश में हो रहा है। अब गोमूत्र खरीदी से किसानों के लिए अतिरिक्त आय का जरिया तैयार होगा। इससे वे पशुपालन की दिशा में और तेजी से आगे बढ़ेंगे और उनकी आय की स्तर में बढ़ोत्तरी होगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)